वार्षिक रिपोर्ट
2003-04

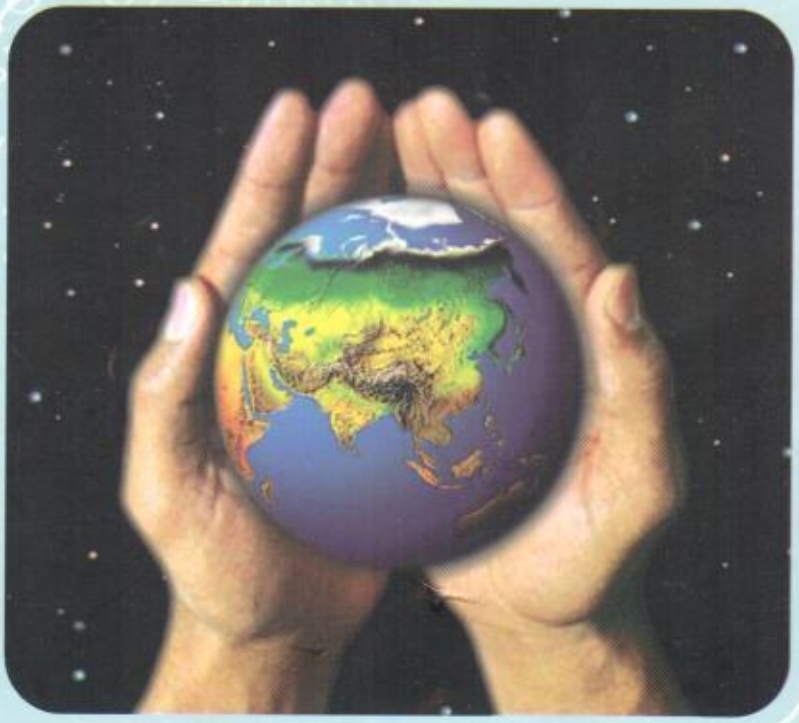

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

विषय सूची

1.	अधिशासी परिष्द	2
2.	सामान्य निकाय	3
3.	एसटीपीआई की प्रबंधकीय संरचना	4
4.	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य	5
5.	एसटीपीआई – एक विहंगम दृष्टि	7
6.	एसटीपी योजना और इसकी मुख्य विशेषताएं	8
7.	एसटीपीआई में पंजीकृत इकाईयां का कार्य निष्पादन	9
8.	एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेष्ण	11
9.	उच्च गति आंकड़ा संचार सेवाएं	12
10.	नए एसटीपीआई केन्द्र	14
11.	आपदा क्षतिपूर्ति सेवाएं	15
12.	उद्भवन सुविधाएं	16
13.	परामर्श परियोजनाएं	17
14.	विपणन और व्यवसाय संवर्धन	20
15.	एसटीपीआई की अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं	22
16.	एसटीपीआई की नई पहल : जैव–सूचना प्रौधोगिकी पार्क	24
17.	लेखों का विवरण	27
18.	लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	30

अधिशासी परिषद*

अध्यक्ष

श्री दयानिधि मारन
माननीय केन्द्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

उपाध्यक्ष

श्री ब्रिजेश कुमार
सचिव,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सदस्यगण

श्री अजीर विद्या
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री पंकज अग्रवाल
संयुक्त सचिव,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री पी. के. मित्तल
उप महानिदेशक, (बी.एस.)
दूर संचार विभाग,
संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री ए. के. राहा
महानिदेशक, (प्रणाली एवं डेटा प्रबंध),
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग,
वित्त मंत्रालय

श्री एम. वी. पी .सी. शास्त्री
संयुक्त सचिव,
वाणिज्य मंत्रालय

श्री एल. सी. गोयल
संयुक्त सचिव (आई. एस.),
गृह मंत्रालय

श्रीमती रेणुका मट्टू
संयुक्त निदेशक,
आसूचना ब्यूरो, गृह मंत्रालय

श्री नलिन कोहली
अध्यक्ष,
इलेट्रॉनिकी एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईएससी)

श्री किरण कार्णिक
अध्यक्ष,
राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर एवं सेवा कंपनी संघ (नेस्कॉम)

श्री अरुण जैन
अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
मैसर्स पोलेरिस सॉफ्टवेयर लैब लि., चेन्नई

श्री पी. आर. वेंकट रामा राजा
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
मैसर्स रामको सिस्ट्म्स, चेन्नई

श्री जी. द्विजेन्द्रनाथ
मुख्य प्रचालन अधिकारी,
अल्टोस सॉफ्टवेयर टेक्नोलोजिज़ लि., चेन्नई

सदस्य सचिव

श्री एस.एन. जिन्दल
महानिदेशक,
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

*नवम्बर, 2004 की स्थिति के अनुसार

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष

श्री दयानिधि मारन
माननीय केन्द्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

उपाध्यक्ष

श्री ब्रिजेश कुमार
सचिव,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सदस्यगण

श्री अजीर विद्या
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री पंकज अग्रवाल
संयुक्त सचिव,
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री पी. के. मित्तल
उप महानिदेशक, (बी.एस.)
दूर संचार विभाग,
संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री ए. के. राहा
महानिदेशक, (प्रणाली एवं डेटा प्रबंध),
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग,
वित्त मंत्रालय

श्री एम. वी. पी .सी. शास्त्री
संयुक्त सचिव,
वाणिज्य मंत्रालय

श्री एल. सी. गोयल
संयुक्त सचिव (आई. एस.),
गृह मंत्रालय

श्रीमती रेणुका मट्टू
संयुक्त निदेशक,
आसूचना ब्यूरो, गृह मंत्रालय

सदस्य सचिव

श्री एस.एन. जिन्दल
महानिदेशक,
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

*नवम्बर, 2004 की स्थिति के अनुसार

एस टीपीआई की प्रबंधकीय संरचना

अधिशासी परिषद

अधिशासी परिषद (जीसी) एसटीपीआई का शीर्ष प्रबंधकीय निकाय है, जो एसटीपीआई को निर्देश तथा कार्य प्रणाली का निरीक्षण करती है और नीतिगत निर्देश देती है । माननीय केन्द्रीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार अधिशासी परिषद के **अध्यक्ष** हैं । सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार अधिशासी परिषद के **उपाध्यक्ष** हैं । अधिशासी परिषद के सदस्य वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग संघ आदि का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

महानिदेशक

महानिदेशक, अधिशासी परिषद के संपूर्ण मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंध तथा प्रचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल प्रचालन के लिए उन्हें आवश्यक कार्यकारी शक्तियां तथा प्राधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं ।

निदेशकों की कार्यकारी समिति

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईसीओडी) में एसटीपीआई के विभिन्न केन्द्रों के चुनिन्दा निदेशक शामिल होते हैं । अधिशासी परिषद ने ईसीओडी को

सभी आम मुद्दों, प्रक्रियाओं, अनुयोजनाओं तथा कार्य - निष्पादनों तथा कार्य निष्पादन समीक्षाओं के लिए विशिष्ट शक्तियां प्रत्यायोजित की हैं ।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड

एसटीपीआई केन्द्रों में स्थानीय प्रबंध समितियां हैं जिन्हें स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) के रूप में जाना जाता है तथा जिसका गठन स्थानीय स्तर पर कार्यकलापों की व्यवस्था करने के लिए किया गया है । ये समितियां अधिशासी परिषद के प्रत्यायोजित अधिकार के अंतर्गत कार्य करती हैं ।

निदेशक

निदेशक प्रत्येक एसटीपीआई केन्द्र का प्रमुख होता है । वह केन्द्र का तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख है और निदेशक प्रत्यायोजित अधिकारों के माध्यम से केन्द्र के दैनिक कार्यकलापों के प्रबंध और केन्द्रों के अबाध प्रचालन के लिए उत्तरदायी हैं ।

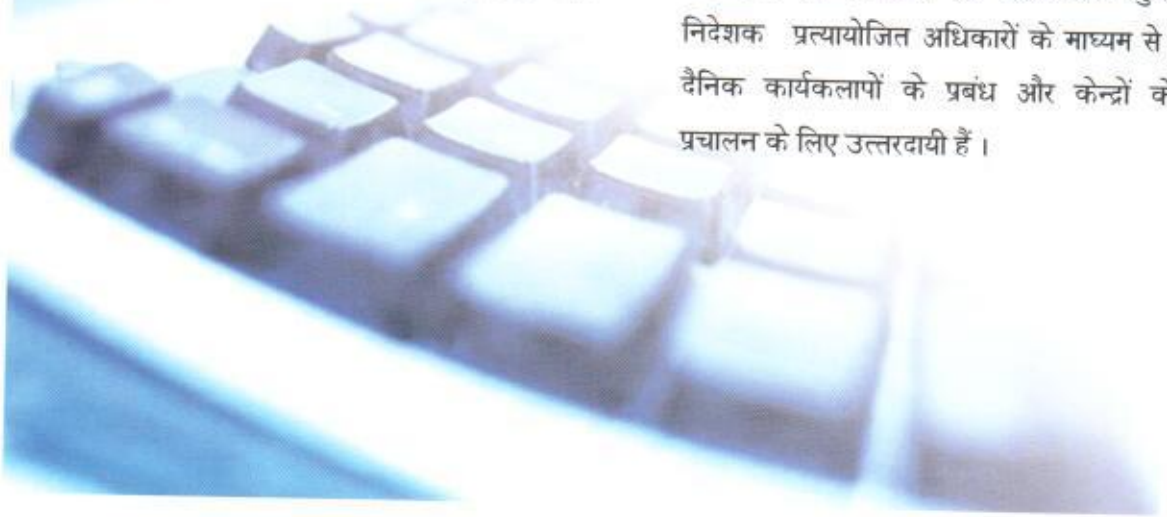

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य

सूचना प्रौद्योगिकी की प्रगति की दिशा व गति ने विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं को आर्थिक गतिविधियों के प्रेरण, कुशल प्रशासन और समाज के सूचना सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व को स्वीकार करने के लिए बाध्य किया है । सूचना प्रौद्योगिकी एक उद्योग के रूप में भी कदाचित आज विश्व में सबसे बड़ा और त्वरित विकासमान एवं सर्वाधिक लाभकारी उद्योग है। सूचना प्रौद्योगिकी में पूंजी निवेश के गुणक प्रभाव सर्वाधिक हैं जो अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की तुलना में इस क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दर्शित होते हैं । भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की संभावनाएं कई रूपों में साबित हुई हैं । सूचना प्रौद्योगिकी आर्थिक और सामाजिक दोनों क्षेत्रों में अधिकाधिक उत्पादकता और संपन्नता के संवर्धन की नयी प्रवृत्तियां शुरू कर चुकी है ।

सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग, जो भारत के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का एक प्रमुख घटक है, की जोरदार वृद्धि देश के किसी अन्य उद्योग की तुलना में कहीं अधिक है । अग्रणी कंपनियां या तो भारत में अपने केन्द्र खोल रही हैं अथवा अपने कार्यकलापों का विस्तार कर रही हैं या फिर अपनी विद्यमान आधारभूत सुविधाओं को उन्नत बना रही हैं और इस तरह भारत एक आकर्षक पूंजी निवेश गंतव्य बना हुआ है । अग्रणी वैश्विक कंपनियों द्वारा अपने सूचना प्रौद्योगिकी कार्यों को भारतीय कंपनियों से कराने के कार्यों ने भी विश्व प्रवृत्तियों के अनुरूप ही वर्ष 2003 - 04 की अवधि में गति पकड़ी है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का निष्पादन मुख्यत: सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर एवं सेवा निर्यात, आईटीईएस सेवाएं, घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी बाजार, दूरसंचार अवसंरचना तथा उद्यम पूंजी जैसे क्षेत्रों में विकास की दशा और दिशा से निर्धारित होता है । सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग से अर्जित आय में सॉफ्टवेयर एवं सेवा निर्यात से अर्जित आय शीर्ष स्थान पर बनी हुई है और भारतीय उद्योग जगत के सर्वांगीण विकास में निर्णायक कारक बनी रहेगी । भारतीय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पथ प्रदर्शकों ने इस निर्यातोन्मुखी सॉफ्टवेयर क्षेत्र में प्रमुख दीर्घकालीन परियोजनाएं शुरू की हैं तथा वैश्विक आउटसोर्सिंग बाजार में भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है ।

वर्ष 2003 - 2004 में निर्यात किए गए सॉफ्टवेयर एवं सेवाओं का मूल्य लगभग 56,500 करोड़ रुपये (12.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) है जो रुपये की दृष्टि से 22.5 प्रतिशत तथा डॉलर की दृष्टि से 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । इस तरह इस क्षेत्र में अच्छी विकास दर प्रमाणित हुई है ।

सॉफ्टवेयर सेवा प्रदायगी क्षेत्र में स्थापना स्थल राजस्व की तुलना में विदशी परियोजना राजस्व में भी 49 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जो वर्ष 2002 - 03 के दौरान 12 प्रतिशत थी । भारतीय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी कंपनियां संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा नए क्षेत्रों में भी दस्तक दे रही हैं । यद्यपि संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय सॉफ्टवेयर समाधानों का अभी भी वृहद्तम प्रयोक्ता है । संयुक्त राज्य अमेरिका का राजस्व योगदान लगातार बढ़ रहा है क्योंकि आईटीईएस/ बीपीओ परियोजनाओं का अधिकाधिक कार्य भारत से कराया जा रहा है । भारतीय कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण सेवा क्षेत्र में परंपरागत अनुप्रयोग विकास तथा अनुरक्षण प्रयोग, सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं का आउटसोर्सिंग, अनुसंधान एवं विकास सेवाओं का शीर्ष स्थान बरकरार रहने के कारण भारत को वैश्विक बीपीओ गंतव्य के तौर पर अधिमान्यता दी जा रही है। बीपीओ क्षेत्र के कार्यकलापों में कई नए कार्य शामिल होने के कारण सहायक सेवाओं का एक नया समूह उभर रहा है ।

भारतीय कंपनियों ने संवेष्ठित सॉफ्टवेयर सहायता और प्रतिष्ठापन, उत्पाद विकास, डिजायन सेवाएं और अंत: निर्मित सॉफ्टवेयर समाधान जैसे क्षेत्रो में भी धीमी प्रगति की है ।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं में व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (बीपीओ) क्षेत्र एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है । भारत के अधिकांश बड़े शहरों में आईटीईएस/बीपीओ उद्योग पूरी तरह सुस्थापित है । इन सेवाओं के अग्रणी केन्द्रों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुम्बई, बंगलौर, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, कोच्ची, अहमदाबाद एवं पुणे शामिल हैं । आईटीईएस/बीपीओ उद्योग में वर्ष 2003 - 2004 में 54 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने तथा 3.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की निर्यात आय अर्जित होने का अनुमान है । आईटीईएस/बीपीओ उद्योग के ग्राहक देखभाल, वित्त एवं बीमा, मानव संसाधन, प्रशासन, विपत्रीकरण और अदायगी सेवा आदि के क्षेत्र में विकास जारी है । भारतीय आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र में इस वृद्धि के लिए कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लाभदायक स्थिति प्राप्त है। जिनमें श्रेष्ठ गुणवत्ता व कार्यशैली वाली कुशल अंग्रेजी भाषी जनसमूह, भारत की दूरसंचार नीतियों का उदारीकरण, भौतिक आधारभूत सुविधाओं का विकास, भारत में गैर - महत्वपूर्ण प्रक्रिया आउटसोर्सिंग से संबंधित सुदृढ़ लागत/मूल्य अनुपात शामिल है । भारत की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति 24X 7 सेवा प्रदायगी में इसे सक्षम बनाती है और समय क्षेत्रों के अंतराल के कारण संदेशों की आवाजाही में कम समय लगता है । अन्य लाभदायक कारकों में स्वस्थ विनियामक परिवेष, प्रचालन कार्यों को बढ़ाने में आसानी एवं कार्यों में तत्परता के अतिरिक्त गहरी प्रतिस्पर्द्धा शामिल है ।

घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी बाजार वर्ष 2002 - 03 के दौरान 317 बिलियन रुपए की सीमा तक पहुंच गया जिसमें सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 137 बिलियन रुपये था । सूचना और संचार प्रौद्योगिकी बाजार वर्ष 2001 - 02 के दौरान बढ़कर 291 बिलियन रुपये हो गया । घरेलू भारतीय सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र, सॉफ्टवेयर चोरी की उच्च दर, सॉफ्टवेयर मूल्यों पर दबाव तथा घरेलू कंपनियों में सूचना प्रौद्योगिकी प्रसार की निम्न दर जैसे कारणों से निर्यात क्षेत्र की तुलना में लगातार पिछड़ रहा है। घरेलू सॉफ्टवेयर बाजार वर्ष 2001 - 02 के 18 प्रतिशत के स्तर से गिरकर वर्ष 2002 - 03 में लगभग 13 प्रतिशत रह गया । महत्वपूर्ण प्रसार क्षेत्रों जैसे कि बैंकिंग और विनिर्माण में सूचना प्रौद्योगिकी पर कम व्यय इसके लिए दायी हैं ।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग की भारत के सकल घरेलू उत्पाद तथा निर्यात में हिस्सेदारी क्रमश: लगभग 2.64 प्रतिशत और 21.3 प्रतिशत है, जिसके वर्ष 2008 तक क्रमश: 7 प्रतिशत और 35 प्रतिशत बढ़ने का लक्ष्य है । भारत के प्रगतिशील भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग को वर्ष 2008 तक 57 - 65 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाने की संभावना है । इसका तात्पर्य है कि संगत बाजार में इसकी भागेदारी 6 प्रतिशत होगी । आईटीईएस - बीपीओ क्षेत्र का निर्यात वर्ष 2008 तक 21 से 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक होने की संभावना है ।

भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और आईटीईएस क्षेत्र में मार्च 2004 की स्थिति के अनुसार 813,500 व्यवसायविद् नियोजित थे जिसमें भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग में 260,000 तथा आईटीईएस - बीपीओ क्षेत्र में लगभग 245,000 और घरेलू सॉफ्टवेयर बाजार में 28,000 एवं प्रयोक्ता संगठनों में 280,000 से अधिक व्यक्ति नियोजित थे।

एस टीपीआई – एक विहंगम दृष्टि

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की तेजी से बढ़ती क्षमताओं और कुशलताओं ने यह नया विश्वास जगाया है कि भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग निकट भविष्य में जोरदार विश्व स्तरीय आर्थिक संवृद्धि दर उपलब्ध कराएगा। आज सूचना प्रौद्योगिकी का प्रसार लगभग प्रत्येक क्षेत्र में हो गया है और उद्योग की व्यापक पहुंच हो गयी है । भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी को महत्वपूर्ण क्षेत्र मानते हुए वर्ष 1986 में एक नीति घोषित की जिसने '**सॉफ्टवेयर निर्यात, सॉफ्टवेयर विकास तथा प्रशिक्षण को**' सर्वाधिक महत्व का क्षेत्र बना दिया । सरकार ने सॉफ्टवेयर उद्योग की वृद्धि में बाधा बनने वाले कारकों की पहचान करके देश से सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ावा व प्रोत्साहन देने के लिए सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपी) नामक योजना को स्थापित किया ।

उपर्युक्त लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण पक्ष शामिल करते हुए उचित ढांचा तैयार किया गया :

- प्रक्रियाओं का सरलीकरण/तर्कसंगत बनाना
- उद्योग के लिए एक ही स्थल पर संपर्क सेवा उपलब्ध कराना
- बहुत ही कम प्रतीक्षा अवधि में निर्यात प्रचालनों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना
- भागीदारी आधारित स्वउपभोग्य आधारभूत सुविधाऐं जैसे कि अभिकलन संसाधन और डेटा संचार सेवाओं को मितव्ययिता से उपलब्ध कराना

यह ढांचा इस प्रकार से तैयार किया गया ताकि सामान्य रूप से सॉफ्टवेयर निर्यात उद्योग को और विशेषकर लघु एवं मंझौले क्षेत्र से सॉफ्टवेयर निर्यात को सुकर बनाने के साथ ही साथ विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाकर देश की आर्थिक संवृद्धि दर को तेज किया जा सके । भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) की स्थापना एसटीपी योजना को लागू करके तथा आधारभूत सुविधाएं जैसे कि उच्च गति आंकड़ा संचार (एचएसडीसी) संपर्क उपलब्ध कराकर सॉफ्टवेयर उद्योग के संवर्धन और विकास तथा सॉफ्टवेयर निर्यात में वृद्धि करने के लिए की गई थी ।

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत 6 जून, 1991 को स्थापित किया गया था और संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन इसे एक स्वायत्त संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया । इसने आंकड़ा संचार की आधारभूत सुविधाओं का प्रबंध करने तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं सॉफ्टवेयर निर्यातकों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व लिया था ।

एस टीपी योजना और इसकी मुख्य विशेषताएं

एसटीपी योजना विशेषकर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास और निर्यात के लिए तैयार की गई थी जो एक शतप्रतिशत निर्यातोन्मुखी योजना है, जिसका जोर गुणात्मक प्रोत्साहनों के साथ साथ व्यवसायिक सेवाओं के निर्यात को सुकर बनाना है । इस योजना की प्रकृति इस रूप में अद्वितीय है कि यह एक ही क्षेत्र/उत्पाद अर्थात कंप्यूटर सॉफ्टवेयर पर केंद्रित है। इस योजना में भारत सरकार की निर्यातोन्मुखी इकाईयां (ईओयू), निर्यात संसाधन क्षेत्र (ईपीजेड) और विश्व में अन्यत्र चल रहे विज्ञान पार्कों/प्रौद्योगिकी पार्कों की अवधारणा का एकीकरण है ।

एसटीपी योजना अद्वितीय है क्योंकि यह सदस्य इकाईयों को एकल स्थान पर संपर्क सेवा उपलब्ध कराती है और उन्हें विश्व मानकों के अनुरूप निर्यात प्रचालन कार्यों के योग्य बनाती है ।

एसटीपी योजना की प्रमुख विशेषताएं :

- एकल खिड़की अनुमोदन प्रक्रिया के तहत स्वीकृति ।
- शतप्रतिशत विदेशी साम्या पूंजी की अनुमति ।
- एसटीपी इकाईयों द्वारा आयातित वस्तुओं/स्थानीय रूप से खरीदी गई वस्तुऐं पूर्णत: शुल्कमुक्त ।
- पुरानी पूंजीगत वस्तुओं का भी आयात किया जा सकता है।
- कुल निर्यात मूल्य के 50 प्रतिशत तक की घरेलू बाजार में बिक्री की अनुमति है ।
- आयकर अधिनियम की धारा 10 क और धारा 10 ख के अधीन आयकर लाभ ।
- शुद्ध विदेशी मुद्रा (एनएफई) सहित न्यूनतम निर्यात बाध्यता ।

एस टीपीआई में पंजीकृत इकाइयां का कार्य निष्पादन

एसटीपी इकाइयां

वर्ष 2003 - 04 के दौरान एसटीपी योजना में 805 नई इकाइयां पंजीकृत की गई । 31 मार्च 2004 की स्थिति के अनुसार 5587 इकाइयां कार्यरत थीं जिनमें से 3910 इकाइयां वास्तव में निर्यात कर रहीं थीं । शेष इकाइयां कार्य निष्पादन के विभिन्न स्तरों पर थीं क्योंकि यह योजना कंपनियों को व्यवसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए 3 वर्ष का समय देती है । विगत 4 वर्षों के दौरान इन प्रचालित इकाईयों और निर्यातक इकाइयों की वृद्धि दर नीचे दिए अनुसार है ।

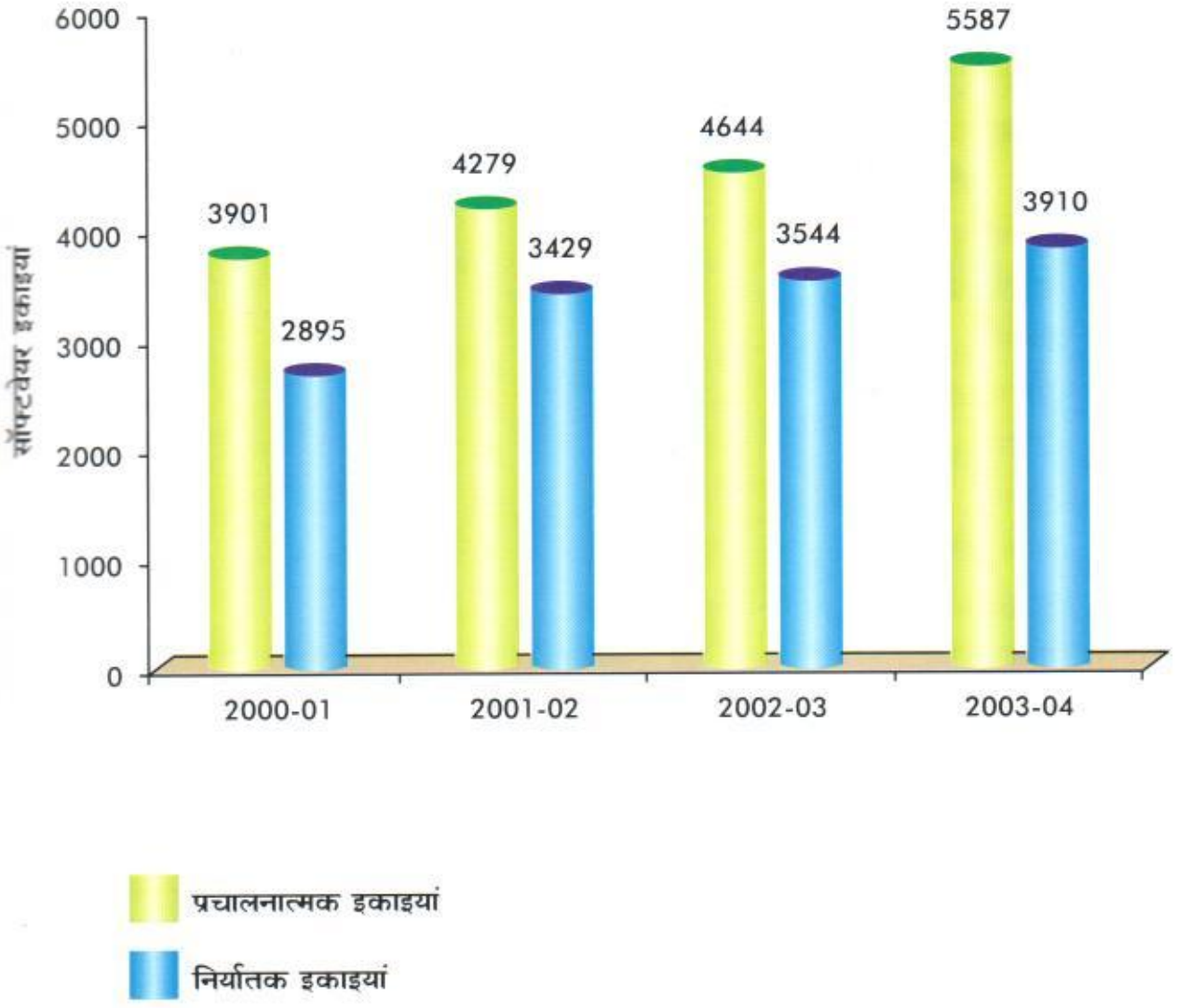

निर्यात

एसटीपी इकाइयों के जरिए सॉफ्टवेयर निर्यात में वर्ष 2003-04 के दौरान विगत वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई अर्थात यह 37,176 करोड़ रुपये से बढ़कर 51,458 करोड़ रुपये हो गया । राष्ट्रीय स्तर पर सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क इकाइयों से 90 प्रतिशत निर्यात होता है अर्थात देश में सॉफ्टवेयर निर्यात से अर्जित 57,375 करोड़ रुपये मूल्य की आय में एसटीपीआई इकाइयों का योगदान 51,458 करोड़ रुपये है ।

पंजीकृत इकाइयों द्वारा एसटीपीआई के माध्यम से विगत 3 वर्षों के दौरान किए गए सॉफ्टवेयर निर्यात का राज्यवार ब्योरा नीचे दिए अनुसार है:

(करोड़ रुपये में)

क्र.स.	राज्य	2001-02	2002-03	2003-04
1	कर्णाटक	9904	12350	18100
2	महाराष्ट्र	4603	5508	8518
3	तमिलनाडु	5014	6305	7621
4	आंध्र प्रदेश	2805	3668	5025
5	हरियाणा	2140	2734	4292
6	उत्तर प्रदेश	2000	2541	2750
7	दिल्ली	1750	2065	2398
8	पश्चिम बंगाल	604	1200	1600
9	उड़ीसा	213	260	319
10	केरल	159	165	212
11	मध्य प्रदेश	88	107	102
12	गुजरात	122	105	141
13	पंजाब	70	70	182
14	राजस्थान	45	47	130
15	चंडीगढ़	NIL	31	39
16	पांडिचेरी	6	15	22
17	हिमाचल प्रदेश	NIL	3	5
18	उत्तरांचल	NIL	0.5	1
19	जम्मू और कश्मीर	NIL	0.4	1
	योग	29,523	37,176	51,458

एस टीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई का कुल राजस्व सृजन (संपरीक्षित) वित्तीय वर्ष 2003 - 04 के दौरान 125.25 करोड़ रुपये, राजस्व व्यय 36.88 करोड़ रुपये के प्रचालन आधिक्य सहित 88. 37 करोड़ रुपये है । वित्तीय वर्ष 2003 - 04 के लिए मूल्य ह्रास 22.21 करोड़ रुपये और मूल्य ह्रास की कटौती के पश्चात् शुद्ध लाभ 14.67 करोड़ रुपये है ।

एसटीपीआई का वित्तीय कार्य निष्पादन

राजस्व एवं व्यय

एसटीपीआई ने राजस्व सृजन की दृष्टि से स्थिर वृद्धि दर से प्रगति की है । वर्ष 2001 - 02 तक राजस्व सृजन में प्रत्येक वर्ष वृद्धि हुई और एसटीपीआई के राजस्व में वर्ष 2002 - 2003 के दौरान पहली बार नकारात्मक वृद्धि हुई है । वित्तीय वर्ष 2001 - 02 के दौरान कुल राजस्व आय 127 करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2002 - 03 के दौरान गिरकर 109.5 करोड़ रुपये रह गई । वित्तीय वर्ष 2003 - 04 में राजस्व आय 125.25 करोड़ रुपये तक हुई थी । नीचे दिया गया पैराग्राफ राजस्व और व्यय प्रवृत्तियों को इंगित करता है ।

उच्च गति आंकड़ा संचार सेवाएं

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान उच्च गति आंकड़ा संचार (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई द्वारा डिजायन और विकसित की गई सॉफ्टनेट, अद्यतन एचएसडीसी नेटवर्क सॉफ्टवेयर निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर उपलब्ध है। एसटीपीआई को वर्ष 2003-04 में सॉफ्टवेयर उद्योग को एचएसडीसी संपर्क उपलब्ध कराने के लिए 40 स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय गेट्वे स्थापित करने का श्रेय जाता है।

एसटीपीआई केन्द्रों में स्थानीय रूप में अंतर्राष्ट्रीय गेट्वे तक स्थानीय पहुंच स्थल से स्थल एवं एक स्थल से बहुस्थल के जरिए सूक्ष्म रेडियो तरंगों के जरिये उपलब्ध कराई जाती है जिससे अंतिम छोर तक पहुंचने की समस्या का समाधान हो गया है और एसटीपीआई समय का 99.9 % कुशलता पूर्वक उपयोग करने में सक्षम हुई हैं। जहां कहीं संभव है वहां क्षैतिज केबल (तंतु/ताम्र) भी प्रयुक्त किए जाते हैं। ये सुविधाएं अपतटीय सॉफ्टवेयर गतिविधियों के विकास में भारी योगदान देते हैं और इन उद्यमों की सफलता की रीढ़ है।

एसटीपीआई के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार प्रचालकों के साथ कार्यशील समझौते हैं जिनमें एटीएण्डटी, एमसीआई, स्प्रिंट, ब्रिटिश टेलीकॉम एवं प्रमुख उपग्रह सेवा प्रदाता जैसे इंटल सेट, न्यू स्काई सेटेलाईट आदि शामिल हैं।

एसटीपीआई अपने नेटवर्क के जरिए निम्नलिखित एचएसडीसी सेवाएं उपलब्ध कराती है :

- अंतर्राष्ट्रीय निजी पट्टाकृत परिपथ (आईपीएलसी)
- भागीदारी आधारित इंटरनेट सेवा
- मूल्य संवर्धित सेवाएं

सॉफ्ट प्वाइंट

सॉफ्ट प्वाइंट सेवा 'अंतर्राष्ट्रीय निजी पट्टाकृत परिपथ' (आईपीएलसी) है। आईपीएलसी अंकीय परिपथ हैं जो अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ा संचार और संप्रेषण आदि में प्रयुक्त होते हैं। आईपीसीएल सुरक्षित एवं पूर्णतः प्रयोक्ता अनुकूल है और अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ा संप्रेषण का भारी कार्य करने वाली कंपनियों के लिए आदर्श साधन हैं।

यह आपके व्यवसायिक ग्राहक को विश्व में कहीं भी कभी भी प्वाइंट-टू-प्वांइट कुशल, विश्वसनीय तथा सुरक्षित संपर्क उपलब्ध कराता है। विभिन्न प्रकार के आंकड़ों के संप्रेषण की तेज गैति सेवाओं का यथा आवश्यक विस्तार करने में सक्षम है। ये सेवाएं उपग्रह और तंतु पर भी उपलब्ध हैं।

एसटीपीआई इस समय उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सेवाएं देने के लिए इंटल सैट, न्यू स्काई उपग्रह, आईपीस्टार आदि की सेवाएं ले रही है। अमेरिका के लिए प्रत्यक्ष उपग्रह फुट प्रिंट की कमी के कारण यूरोप में उपग्रह से अधोसंपर्क स्थापित किया जाता है और वहां से उत्तरी अमेरिका और यूरोप के सभी भागों में तंतु संपर्कों यथा ट्रांस अटलांटिक केबल्स के जरिए सभी भागों में भेजा जाता है।

सॉफ्ट लिंक

इंटरनेट आज प्रत्येक देश में संचार का प्रमुख माध्यम बनकर उभर रहा है। आज उन लोगों में जो वेब से जुड़ना चाहते हैं, अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। सॉफ्टवेयर निर्यातकों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले इंटरनेट संपर्क एक आवश्यकता बन गए हैं और कई सॉफ्टवेयर उद्यमी वैश्विक इंटरनेट प्रोटोकॉल, प्लेटफार्म पर कार्य कर रहे हैं।

सॉफ्ट लिंक ऐसी सेवा है जो भागीदारी और समर्पित आधार पर इंटरनेट पहुंच उपलब्ध करा रही है। यह सेवा उद्योग जगत में बेहतर गुणवत्ता एवं समर्पित सेवा की बढ़ती मांग को पूरा करने की दृष्टि से शुरू की गई थी। आज एसटीपीआई की डेटा कॉम सेवाओं में सॉफ्ट लिंक सेवा का ग्राहक आधार बहुत व्यापक है।

उच्च गति आंकड़ा संचार सेवाएं

अंतर्राष्ट्रीय फाइबर क्षमता

एसटीपीआई ने उपग्रह सेवाओं का प्रयोग करके अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं (क्यूओएस) उपलब्ध कराकर एक विशिष्ट छवि हासिल कर ली है। एसटीपीआई ने देश भर में 40 उपग्रह गेट्वे स्थापित किए हैं और इस समय 250 एमबीपीएस की बैंडविड्थ हासिल है । ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मिशन उपयोगी तथा तात्कालिक अनुप्रयोग के लिए यह आवश्यक है कि उच्च विश्वसनीयता और कम सप्रेषण विलंब वाली बैंडविड्थ उपलब्ध कराई जाए। प्रकाश तंतुओं में सप्रेषण विलंबन उपग्रह सप्रेषण की तुलना में बहुत कम है । अत: उद्योग की विशिष्ट और उन्नत आवश्यकताओं को पूरा करने और नये व्यवसाय हासिल करने के लिए एसटीपीआई को यह आवश्यक हो गया कि वह तंतु आधारित सेवा उपलब्ध कराए ।

एसटीपीआई ने ग्राहकों की फाईबर आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग को पूरा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू फाइबर बैंडविड्थ प्राप्त की है। एसटीपीआई इससे आईपीएलसी एवं आईपी सेवाएं फाइबर पर प्रदान करने में सक्षम हुई है।

एसटीपीआई भारतीय कंपनियों और अमेरिकी ग्राहकों को फाइबर आधारित पूर्ण परिपथ आईपीएलसी सेवाएं आकर्षक दरों पर प्रदान कर रही हैं । चूंकि इसमें ग्राहकों को एक ही स्थान पर समाधान मिल जाता है अत: यह एक ही स्थान पर संपर्क और समन्वय की सुविधा सुकर बनाता है । जब परंपरागत द्विपक्षीय सेवाओं से इसकी तुलना करते हैं तो इसका कार्यान्वयन अथवा तैनाती अपेक्षाकृत तीव्र है । इन सेवाओं में अपटाईम बहुत अधिक है और प्रतिस्थापन समय बहुत कम है। यह बैंडविड्थ nx64 केबीपीएस अथवा nx E1 अथवा 1xDS3 के गुणक में उपलब्ध करायी जाती है।

ग्राहकों को गोपनीयता और विश्वसनीयता की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एसटीपीआई ने इंटरनेट बैकबोन हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका के टायर-1 सेवा प्रदाताओं से संबंध स्थापित किया है। एसटीपीआई की इंटरनेट सेवाओं का लाभ उठाने वाले ग्राहकों को एसटीपीआई के इंटरनेट गेट्वे के जरिए संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित टायर-1 सेवा प्रदाताओं के बैकबोन से जोड़ा जाएगा । यह बैंडविड्थ nx 64 केबीपीएस अथवा nxE1 के गुणक में उपलब्ध करायी जाती है ।

अभिगम्यता नेटवर्क/अंतिम छोर तक संपर्क (लोकल लूप)

1990 के शुरूआती दशक में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास के साथ बैंडविड्थ की मांग भी अधिक थी । अंतर्राष्ट्रीय बैंडविड्थ उपलब्ध थी किन्तु अंतिम छोर पर संपर्क का इसमें अभाव था । इस अभाव को दूर करने के लिए, एसटीपीआई ने एक स्थल से दूसरे स्थल तक और एक स्थल से अन्य स्थलों तक सूक्ष्म तरंग नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का अंकीय सूक्ष्म तरंग नेटवर्क स्थापित किया । यह ग्राहकों की मूल आवश्यकताओं को पूरा करता था । एसटीपीआई के संपूर्ण नियंत्रण में इस नेटवर्क को एक स्थल से दूसरे स्थल तक रेडियो नेटवर्क के अतिरिक्त 2 एमबीपीएस, NxE1 संपर्क उपलब्ध कराने के लिए और सुदृढ़ किया गया।

एसटीपीआई रेडियो तरंग के जरिए अंतिम छोर तक संपर्क स्थापित करने के अतिरिक्त जहां कहीं संभव है वहां यह संपर्क फाइबर पर भी उपलब्ध करा रही है ।

आईएसडीएन लाइनों का प्रयोग करते हुए लीज्ड इंटरनेट अभिगम्यता

एसटीपीआई आईएसडीएन लाईनों के जरिए भी ग्राहकों को इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है । इस समय यह सेवा आईएसडीएन बीआरआई के लिए उपलब्ध है और 64 केबीपीएस अथवा 128 केबीपीएस का पट्टाकृत संपर्क उपलब्ध है । कभी-कभी आईएसडीएन सेवाओं को लीज लाईन्स कनेक्टिविटी के विकल्प के तौर पर भी उपयोग में लाया जाता है ।

अन्य मूल्य संवर्धित सेवाएं

एसटीपीआई सदस्य इकाइयों को आईपीएलसी और इंटरनेट सेवाओं के अतिरिक्त वेब होस्टिंग, नेटवर्क परामर्श, रूफ टॉप समाधान, सर्वरों का अनुरेखण आदि सेवाएं उपलब्ध कराती है।

नए एसटीपीआई केन्द्र

एसटीपीआई पहले ही 40 एसटीपीआई केन्द्र स्थापित कर चुकी है और इनमें से 17 केन्द्र श्रेणी-1 के शहरों (10 लाख से अधिक जनसंख्या), 12 केन्द्र द्वितीय श्रेणी के शहरों में (5 से 10 लाख जनसंख्या) और 11 केन्द्र तृतीय श्रेणी के शहरों में (5 लाख से कम जनसंख्या) स्थित हैं। एसटीपीआई ने वर्ष 2003-2004 के दौरान झारखण्ड राज्य के राँची नामक स्थान पर एक नया एसटीपीआई केन्द्र और उच्च गति आंकड़ा संचार सुविधा स्थापित की है।

एसटीपीआई केन्द्र

(मानचित्र पैमाने पर नहीं)

आपदा क्षतिपूर्ति सेवाएं

एसटीपीआई सेवा की गुणवत्ता और एकल खिड़की तंत्र पर विशेष ध्यान देते हुए अपने ग्राहकों को आपदा क्षतिपूर्ति सेवाएं प्रदान करती है । मूल्यवान और महत्वपूर्ण उद्यम आंकड़ा प्रबंधन प्रत्येक व्यवसाय के प्रचालन हेतु एक मुख्य आवश्यकता है । कंपनियां प्रतिदिन अपने सतत् बढ़ते आंकड़ों को डेटाबेस अभिलेखों से ई-मेल तथा ई-मेल से विडियो फाइलों में एकत्र करती है । अधिक से अधिक व्यवसाय और सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक आपदाओं से सुरक्षा हेतु आंकड़ा बैक - अप की बढ़ती आवश्यकता के मद्देनजर जटिल आंकड़ों के प्रबंधन के लिए बेहतर उपायों की तलाश में हैं । एक उद्यमी के व्यवसाय की सफलता हेतु आंकड़ा संग्रहण, महत्वपूर्ण व्यवसाय आसूचना की सुरक्षा और उसकी पुन: प्राप्ति काफी महत्व रखते हैं।

आपदा से निपटने संबंधी बुनियादी संरचना

एसटीपीआई आंकड़ा केन्द्र पर मूलभूत सेवा संरचना के निम्नलिखित अवसंरचना घटक होते हैं :

- संग्रहण उप प्रणाली
- टेप लाइब्रेरी उप प्रणाली
- एसएएन स्वीच
- बैकअप उपप्रणाली
- आपदा क्षतिपूर्ति प्रबंधन उपप्रणाली

एसटीपीआई अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विश्व स्तर की दूरस्थ आंकड़ा संरक्षण सुविधा स्थापित करने की योजना बना रही है । **ये सेवाएं प्रारम्भ में नोएडा, बंगलोर, हैदराबाद और नवी मुम्बई में शुरू की जाएंगी ।**

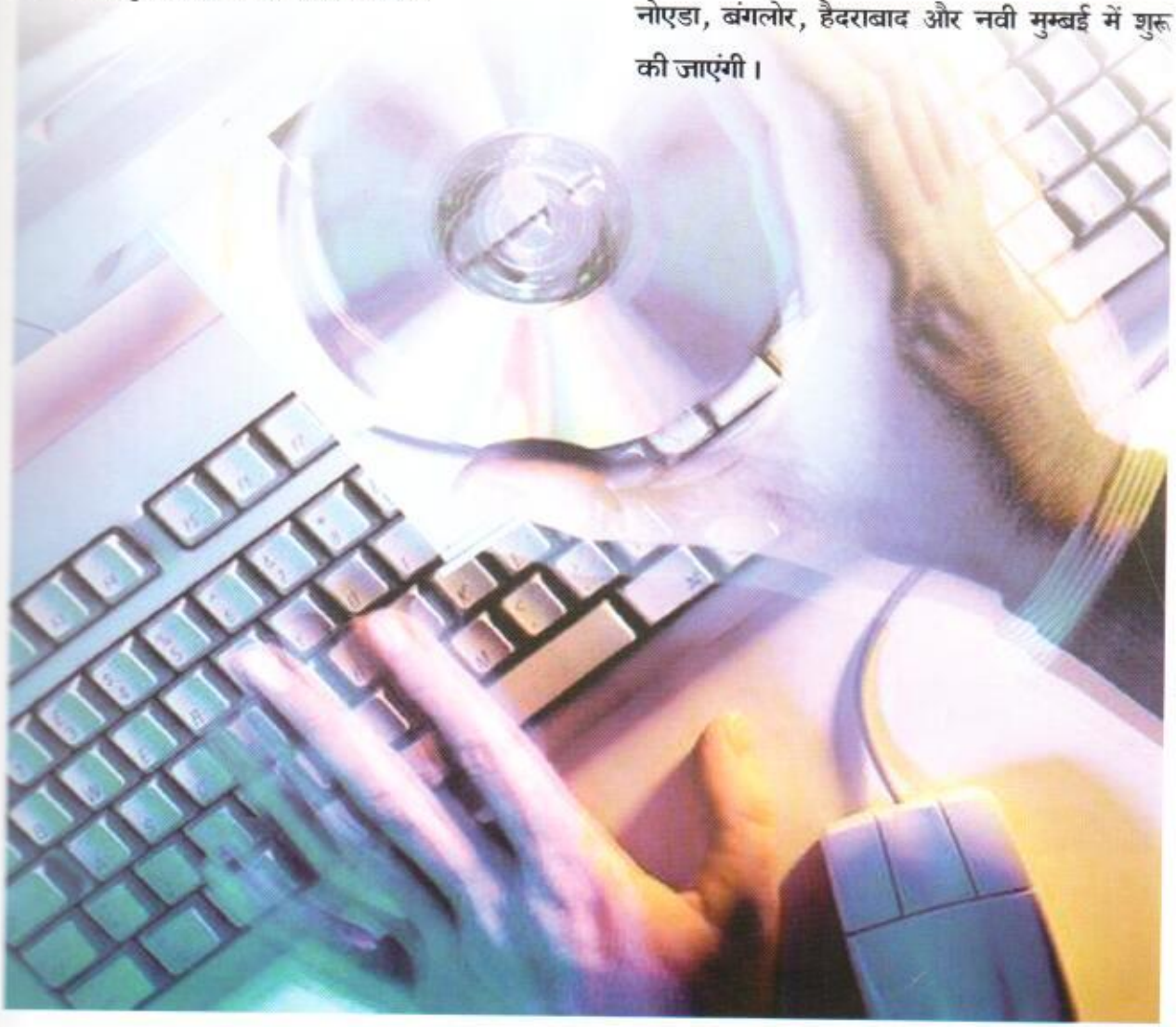

उद्भवन सुविधाएं

एसटीपीआई अपरिपक्व इकाइयों, उद्यमियों, लघु एवं मझौले उद्यमियों के संवर्धन एवं विकास के लिए उद्भवन सुविधा उपलब्ध करा रही है । एसटीपीआई द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उद्भवन सुविधाओं में प्रयोग के लिए तैयार निर्मित स्थान, डेटा कॉम संपर्क, विद्युत आपूर्ति आदि शामिल हैं । अपरिपक्व इकाइयों को उद्भवन सुविधाओं से न्यूनतम प्रतीक्षा अवधि तथा न्यूनतम लागतों में अपने कार्यकलाप शुरू करने में सहायता मिलती है । एसटीपीआई ये उद्भवन सुविधाएं अपने प्रमुख केन्द्रों पर उपलब्ध करा रही है । एसटीपीआई नए उभरते उद्यमियों और लघु एवं मझौले उद्यमियों की वृद्धि को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए सस्ती दरों पर उद्भवन सुविधा उपलब्ध कराती हैं। इन सुविधाओं में निर्मित क्षेत्र के साथ-साथ प्लग-एण्ड-प्ले सुविधाएं शामिल हैं । एसटीपीआई ने देश भर में स्थित अपने केन्द्रों के जरिए लगभग 3 लाख वर्ग फुट में उद्भवन सुविधाएं उपलब्ध कराई है ।

दूसरी प्रमुख पहल का लक्ष्य एसटीपीआई और इसकी कंपनियों की कॉमडेक्स, सीबीट जैसी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी प्रदर्शनियों और अन्य सम्मेलनो में भाग लेकर भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों का अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन करना है ।

परामर्श परियोजनाएं

नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया

भारत सरकार ने इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को अंत: सम्बद्ध करने हेतु भारत में 'इंटरनेट एक्सचेंज' की स्थापना करने का निर्णय लिया है जो नई दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई और कोलकाता में अवस्थित होगा ।

(क) भारत में इंटरनेट एक्सचेंज केन्द्र (आईएक्सपी) की आवश्यकता

- सभी इंटरनेट सेवा केन्द्रों के बीच एकरूपता लाना
- विदेशी मुद्रा में अपेक्षाकृत कम लागत तथा बचत
- सेवा की उन्नत गुणवत्ता
- इंटरनेट प्रसार में बढ़ोत्तरी
- ई-कॉमर्स, ई-शासन बैंकिंग और अन्य ऑनलाइन कार्यों के लिए इंटरनेट के प्रयोग को विकसित करना एवं बढ़ावा देना
- आईटीईएस/बीपीओ कारोबार की सफलता को सहज बनाना
- 'डॉट इन', 'अंकीय हस्ताक्षर' तथा सरकार के अन्य प्रयासों हेतु बुनियादी अवसंरचना प्रदान करना

भारत में इंटरनेट एक्सचेंज स्थापित करने के प्रयोजनार्थ **नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया** (निक्सी) को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अंतर्गत निगमित किया गया है । नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया भारत में इंटरनेट सेवा केन्द्रों (आईएसपी) का संधि स्थल है । इसका मुख्य प्रयोजन समकक्ष आईएसपी सदस्यों के बीच घरेलू इंटरनेट ट्राफिक को सौंपना है ।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, एमसीआईटी ने परियोजना के कार्यान्वयन हेतु एसटीपीआई को नामनिर्दिष्ट किया है तथा एसटीपीआई को अनुदान राशि जारी की है । एसटीपीआई ने निक्सी की प्रचालन आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु रूटर्स, गिगाबिट् इथरनेट स्वीचों, सर्वरों आदि जैसी अद्यतन आधारभूत सुविधाएं प्रतिष्ठापित की हैं।

(ख) सीईआरटी – इन

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमसीआईटी), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सौजन्य से कंप्यूटर आपदा प्रतिक्रिया दल-भारत (CERT-In) गठित किया गया है । यह सुनिश्चित करता है कि भारत की सूचना परिसंपत्तियां जैसे कि रणनीतिक, व्यवसायिक, वित्तीय और सरकारी सूचनाओं को आवश्यक संरक्षण उपलब्ध कराया जाए ।

मूलभूत अवसंरचना स्थापित करने का उत्तरदायित्व एसटीपीआई को सौपा गया है। यह परियोजना पूरी हो चुकी है और कंप्यूटर आपदा प्रतिक्रिया दल -भारत(CERT-In) को हस्तांतरित कर दी गई है।

(ग) आईएनओसी और एनआईसी के लिए वेब सेवा अवसंरचना

इस परियोजना में नेटवर्क प्रचालन केन्द्र तथा वेब सर्विसेज हाल को राष्ट्रीय सूचनाविज्ञान केन्द्र (एनआईसी), नई दिल्ली पर समेकित करने की अभिकल्पना की गयी है । इसका उद्देश्य अनुश्रवण हेतु पूरे भारत में एनआईसी नेटवर्क प्रचालन केन्द्रों को समेकित करना है । प्रस्तावित केन्द्रीभूत एनएमएस प्रणाली पूरे देश में नेटवर्क घटकों को छांटती है तथा एनआईसी मुख्यालय, दिल्ली में आंकड़े समेकित किए जाते हैं । एनओसी प्रणालियां नेटवर्क घटकों के आंकड़ों की निगरानी करने और उन्हें एकत्रित करने के प्रयोजन से तैयार की जाती है जो एसएनएमपी तथा गैर-एसएनएमपी प्रोटोकॉल की सहायता करते हैं । शीर्ष स्तर पर सर्वांगीण डेटाबेस प्रतिकृति सहित एनओसी प्रचुरता की योजना तैयार की गयी है। यह आवधिक रूप से अद्यतन की जाती है और हैदराबाद में एनएमएस को पूरी तरह कार्यान्वित करती है ।

परियोजना में एसटीपीआई की भूमिका

- परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं
- अवसंरचना को चिह्नित करना और उनकी खरीद

- नेटवर्क प्रचालन केन्द्र का एकीकरण
- नेटवर्क घटकों की निगरानी हेतु प्रदर्शन प्रणाली

राज्य सरकारों तथा सरकारी एजेंसियों के लिए परियोजना और परामर्श कार्य

(क) खजाने नेट

खजाने नेट कर्नाटक सरकार के सभी खजानों को आपस में जोड़ने की महत्वकांक्षी परियोजना है । सभी खजानों को वीसैट (अति सूक्ष्म एपार्चर टर्मिनल) का प्रयोग करके आपस में जोड़ा गया है । इस नेटवर्क में केन्द्रीयकृत हब (स्टार नेटवर्क) जो बंगलौर के खजाना भवन में स्थित है, को 215 सुदूर स्टेशनों से जोड़ा गया है । वीसैट आधारित उपग्रह नेटवर्क को आंकड़ा और ध्वनि सेवा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है ।

एसटीपीआई कार्य के क्षेत्र में चुनिंदा स्थानों पर वीसैट हब का प्रतिष्ठापन और उसे कार्यरत बनाना तथा सुदूर एककों की स्थापना शामिल है । संपूर्ण नेटवर्क के कार्य निष्पादन का नियंत्रण अद्यतन नेटवर्क प्रचालन केन्द्र (एनओसी) के एक अनुभवी कार्मिक द्वारा किया जाता है, जो 24/7 पद्धति पर कार्य करता है ।

एसटीपीआई, बंगलौर इस परियोजना के लिए परियोजना प्रबंध एवं परामर्श एजेन्सी होने के अतिरिक्त वीसैट हब प्रचालन के प्रबंध का कार्य भी करती है ।

(ख) वाणिज्यिक कर नेटवर्क

इस परियोजना में वाणिज्यिक कर विभाग, कर्नाटक सरकार के पूरे राज्य में फैली करीब 93 शाखाओं के नेटवर्किंग की अभिकल्पना की गयी है । इसका उद्देश्य सभी 93 स्थानों से दैनिक लेन-देन के आंकड़ों को वाणिज्यिक कर विभाग के बंगलौर स्थित मुख्यालय में स्थापित केन्द्रीय सर्वर पर एकत्रित और समेकन करना है । एसटीपीआई - बंगलोर ने इस परियोजना के भाग के रूप में वीसैट हब प्रचालनों का प्रबंधन करने के अलावा इस परियोजना के लिए परामर्शदात्री व परियोजना प्रबंधन एजेन्सी के रूप में कार्य किया है ।

(ग) भूमि नेटवर्क

इस परियोजना में भू-अभिलेखों की ई-संस्करण और दैनिक राजस्व संव्यवहार के आंकड़ों सहित पूरे कर्नाटक में फैले राजस्व विभाग की करीब 200 शाखाओं की नेटवर्किंग करना है ।

एसटीपीआई, बंगलौर ने शुरू में आंकड़ा प्रवाह अध्यन हेतु एक प्रायोगिक परीक्षण किया है । 10 साइट्स को क्रियाशील बना दिया गया है और सफलता पूर्वक कार्य कर रही हैं ।

(घ) सीसीसी नेटवर्क

यह परियोजना शुरू में एक प्रायोगिक स्थल पर नेटवर्किंग प्रारंभ करेगी और तत्पश्चात् पूरे कर्नाटक राज्य में 35 स्थानों पर अपना नेटवर्किंग करेगी । कर्नाटक सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग, वन विभाग, आरटीओ तथा उत्पाद विभाग के चेक पोस्ट को एक स्थान पर समेकित किया जाएगा । इसका उद्देश्य 4 विभागों के समेकित आंकड़ों का चेक पोस्ट से संबंधित मुख्यालयों तक आदान-प्रदान करना तथा चेक पोस्ट प्रणाली में संयुक्त प्रणाली का निर्माण करना है । संयुक्त चेक पोस्ट प्रणाली से प्रत्येक वाहन की जांच करने में लगने वाले समय में कमी तथा सामानों की जांच में पारदर्शिता आती है

(ड) अन्य परियोजनाएं

यूरोप स्टार और पैनमसेट के लिए सीएसएमई सुविधा

यूरोप स्टार टेलीपोर्ट सुविधा के लिए एनएमसी, सीएसएमई सुविधा (संचार प्रणाली एवं अनुश्रवण उपस्कर) के जरिये आईएसएन (भारत/नेपाल/श्रीलंका) क्षेत्रों से अधोसंपर्क

संकेतों की निगरानी के लिए एसटीपीआई, नेटवर्क प्रचालन केन्द्र, बंगलोर में स्थित है ।

यह आईपीएलसी परिपथ के जरिये टुलहाउस, फ्रांस स्थित सीएसएमई की सुविधा से जुड़ी हुई है । सीएसएमई सुविधा आईएसएन क्षेत्र पर केन्द्रित बहुगुणित उच्च शक्ति की बीम (कू-बैंड) के अनुश्रवण में सक्षम हैं और कू-बैंड यूरोप स्टार ट्रांसपोंडरों के वाहकों की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करता है ।

पैनमसेट टेलीपोर्ट सुविधा सीएसएमई सुविधा (संचार प्रणाली एवं अनुश्रवण उपस्कर) के जरिये आईओआर (हिन्द महासागर क्षेत्र) क्षेत्रों से अधोसंपर्क संकेतों की निगरानी के लिए एसटीपीआई, नेटवर्क प्रचालन केन्द्र, बंगलौर में स्थित है । एसटीपीआई उपस्करों के सह प्रतिष्ठापन के लिए सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं जैसे कि स्थान, अबाधित स्थिर विद्युत आपूर्ति और वातानुकूलन उपलब्ध कराया है ।

एसटीपीआई बंगलौर पैनमसेट पीएएस-7 उपग्रह और हाल ही में हिन्द महासागर क्षेत्र (आईओआर) को कवर करने के लिए प्रक्षेपित किए गए पीएएस-10 उपग्रह के लिए सीएमएस सुविधा (वाहक अनुश्रवण प्रणाली) का समर्थन कर रहा है । एसटीपीआई बंगलौर में स्थापित सीएमएस प्रणाली से भारत पर केन्द्रित बहुगुणित उच्च शक्ति की बीम (कू-बैंड) के अनुश्रवण में सक्षम हैं और कू-बैंड पीएएस ट्रांसपोंडरों के वाहकों की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार कर सकता है । ये संगठन फुकीनो भू-केन्द्र, इटली के माध्यम से द्विगुणित होप उपग्रह संपर्क द्वारा अटलांटा में पीएएस एनओसी केन्द्र से जुड़ा हुआ है ।

एसटीपीआई कार्मिकों को सीएसएमई उपस्करों के लिए प्रशिक्षित किया गया है और 24/7 पद्धति पर उच्च स्तरीय सहायता उपलब्ध कराते हैं जिसमें अंशांकन, कार्यनिष्पादन परीक्षण आदि नियमित अनुरक्षण शामिल हैं ।

वीसैट प्रचालन – आईपी स्टार प्रौद्योगिकी

आईपी स्टार प्रौद्योगिकी में आईपी स्टार टर्मिनलों को उन सुदूर क्षेत्रों में एसटीपीआई सेवाएं प्रदान करने हेतु अंतिम छोर संपर्क के रूप में प्रयोग किया जा सकता है जहां क्षैतिज लाइनें नहीं हैं अथवा लाइनों की दशा बहुत खराब है।

एसटीपीआई गेट्वे की वाणिज्यिक आधार पर रख-रखाव हेतु आवश्यक स्थान तथा विद्युत प्रदान करने हेतु सेन्ट्रल हब के प्रबंधन और प्रचालन का कार्य कर रहा है । इस परियोजना से एसटीपीआई को अपने उपभोक्ताओं को किफायती समाधान प्रदान करने का लाभ मिलेगा ।

विपणन और व्यवसाय संवर्धन

सॉफ्टवेयर निर्यात उद्योग को पुरस्कार

सॉफ्टवेयर निर्यात उद्योग को प्रोत्साहित करने हेतु एसटीपीआई ने वर्ष 1997 से भारत में सर्वश्रेष्ठ सॉफ्टवेयर निर्यातकों के लिए पुरस्कारों की स्थापना की थी । भारत के महामहिम राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 13 जून 2003 को वर्ष 2000-01 और वर्ष 2001-02 के एसटीपीआई सॉफ्टवेयर निर्यात पुरस्कार अपने कर कमलों द्वारा प्रदान किए । वर्ष 2000-01 और 2001-02 के लिए राष्ट्रीय स्तर के 6 पुरस्कार और एस.एम.ई. को 5 पुरस्कार प्रदान किए ।

डिजिटल युग में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन

एसटीपीआई चेन्नई ने अन्नामलाई विश्वविद्यालय के साथ सहआयोजित **'डिजिटल युग में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन'** विषय में भाग लिया था । आईसीटी क्रान्ति के साथ, सूचना प्रौद्योगिकी अनेक नए अवसर मुहैया करा रही है जो विकासशील देशों में महिलाओं के आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण हेतु अति उपयोगी है । इस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ज्ञान का प्रसार, सूचना, रोजगार इत्यादि जैसे अनेकानेक लाभ मुहैया करा रहा है ।

बंगलोर आईटी डॉट कॉम 2003

1-5 नवम्बर, 2003 के दौरान आयोजित बंगलोर आईटी डॉट कॉम 2003 कंपनियों द्वारा उपने उचित व्यवसायिक सहयोगी/साझेदार खोजने का एक बड़ा अवसर और मंच था। ये एक ऐसा अवसर था जहां विश्व के सर्वश्रेष्ठ आई. टी. विशेषज्ञ व उद्यमी प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्र तलाशने व उन पर चर्चा करने तथा नवीन समस्याओं पर प्रदर्शन हेतु एकत्र हुए थे। लगातार छह वर्षों से आयोजित किए जा रहे बंगलोर आई. टी. कॉम ने अंतराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी तथा व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग समुदाय में अपना समुन्नत दर्जा हासिल कर लिया है । इस काल अवधि में यह एक बृहत्तर, बेहतर व अपेक्षाकृत और अधिक विविधीकृत मंच के रूप में उभरा है तथा ये विश्व के अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी और बीपीओ कंपनियों और विदेशी शिष्टमंडलों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है ।

एसटीपीआई बंगलोर, ने बंगलोर सूचना प्रौद्योगिकी डॉट कॉम को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई । इसने सहमेजबान और इसके आयोजक के रूप में महती उत्तरदायित्व का निर्वाह किया है । इस आयोजन ने एसटीपीआई की ख्याति तथा इसकी ब्रांड इक्विटी को काफी बढ़ाया है । एसटीपीआई बंगलोर-सूचना प्रौद्योगिकी डॉट कॉम के दौरान सम्मेलनों, आम आदमी हेतु सूचना प्रौद्योगिकी जैसी प्रदर्शनी, शासकीय सूचना प्रौद्योगिकी सक्षमता, वैश्विक आउटसोर्सिंग शिखर सम्मेलन, उत्पाद

एवं संग्रथित सॉफ्टवेयर शिखर सम्मेलन, ई-शासन शिखर सम्मेलन, टाईकॉन बंगलोर के अलावा भी विभिन्न प्रकार के अन्य आयोजनों में शामिल रहा है ।

कनवर्जेन्स इंडिया, नई दिल्ली

एसटीपीआई ने कनवर्जेन्स इंडिया नामक तीन दिवसीय प्रदर्शनी में प्रतिभागी प्रदर्शनकारियों को इंटरनेट सहायता उपलब्ध कराकर अपनी सेवाओं का परिचय दिया । एसटीपीआई ने प्रदर्शनी में सेवाओं का प्रदर्शन किया और जिज्ञासाओं का समाधान किया ।

सुपर कॉम एशिया, नई दिल्ली

दूरसंचार और डेटा कॉम कंपनियों की सेवाओं की प्रदर्शनी से संबंधित सुपर कॉम एशिया नामक तीन दिवसीय प्रदर्शनी में एसटीपीआई - नोएडा ने भाग लिया । जिसने एक मंडप स्थापित करके सूचनात्मक प्रस्तुतीकरण, पोस्टर्स, श्रव्य - दृश्य युक्तियां और ब्राउचर्स के जरिए प्रतिभागियों, दर्शकों और भावी ग्राहकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया ।

सीबीट अमेरिका - 2003

एसटीपीआई ने संयुक्त राज्य अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए निम्नलिखित के बारे में व्यापक एवं समृद्ध अवसर उपलब्ध कराने हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में सीबीट अमेरिका - 2003 में भागीदारी की :

(क) भारत में ऑफशोर सॉफ्टवेयर विकास कार्य में पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देना,

(ख) भारतीय विद्वता का प्रयोग करते हुए सॉफ्टवेयर विकास में वृद्धि के लिए अमेरिकी और भारतीय कंपनियों के मध्य पारस्परिक लाभदायक व्यापार संबंधों को प्रोत्साहित करना ।

एसटीपीआई बंगलौर, ने आस्टिन, डेनेवर और संयुक्त राज्य अमेरिका के सिएटल एवं डेट्राइट शहरो में रोडशो में भाग लिया।

2003 इंडिया आउटसोर्सिंग शिखर सम्मेलन, बंगलोर

2003 इंडिया आउटसोर्सिंग शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई), **माइकेल एफ कार्बेट एण्ड एसोसिएट्स** ने किया, जो आउटसोर्सिंग के प्रमुख प्राधिकारी हैं और विख्यात आउटसोर्सिंग विश्व सम्मेलन श्रेणी और 15 तथा 16 अक्तूबर 2003 को टीएफसीआई के आयोजनकर्ता थे ।

यह सम्मेलन संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, भारत और चीन में हो रहे सम्मेलनों की श्रेणी में से एक था । एसटीपीआई इस समारोह की सहआयोजनकर्ता थी । इस समिति में भारत के 200 - 250 व्यवसायविदों के अतिरिक्त विश्व भर की फार्चून 500 कंपनियों के 50 से अधिक शीर्ष वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भाग लिया था । औद्योगिक सम्मेलन भी आयोजित किया गया जो भारत में बीपीओ उद्योग की अच्छी सफलता के बारे में संयुक्त राज्य अमेरिका के 50 वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों को अवबोध कराने के लिए था । यह इस समारोह में संयुक्त राज्य अमेरिका की आउटसोर्सिंग कंपनियों और भारत के बीपीओ उद्योग के बीच एक उचित नेटवर्किंग मंच उपलब्ध कराया ।

इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता कई अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं, जिन्होंने व्यवसाय संभावनाओं को बढ़ाने में उद्योगों से विचार विमर्श किया है, की भागीदारी थी ।

"सूचना प्रौद्योगिकी विकास के लिए भारत - चीन सहयोग" पर संगोष्ठी

एपीसीटीटी, एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी)के तत्वधाान में एक संयुक्त राष्ट्र का क्षेत्रीय संस्थान है । एपीसीटीटी एशियाई और प्रशांत क्षेत्र में लघु एवं मझौले उद्यमियों के मध्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करता है । एपीसीटीटी एशियाई और प्रशांत क्षेत्र में लघु एवं मझौले उद्यमियों के मध्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परिवेश को सुदृढ़ बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दानदाताओं द्वारा वित्त पोषित विकास परियोजनाओं को भी कार्यान्वित करता है ।

एशियाई और प्रशांत क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्र (एपीसीटीटी) ने उपर्युक्त सम्मेलन का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, शेनडॉन्ग राज्य और वाईफेन्ग म्यूनिसिपल सरकार के सहयोग से 26 से 27 नवम्बर 2003 के दौरान किया था । एसटीपीआई ने 'सूचना प्रौद्योगिकी विकास के लिए भारत - चीन सहयोग पर संगोष्ठी' में भाग लिया।

यह अवसर चीन में हो रहे विभिन्न विकास कार्यो का अध्यन करने और इसी के साथ अन्य एशियाई देशों के विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष विचार विनिमय के लिए था ।

एस टीपीआई की अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं

ईबने साईबर सिटी परियोजना – मॉरिशस

भारत सरकार और मॉरिशस सरकार ने साईबर सिटी परियोजना के निष्पादन और इस परियोजना के लिए ईबने, मॉरिशस में संचार नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए 4 मई, 2001 को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक सारव पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत सरकार की ओर से एसटीपीआई एक नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य कर रही है और मॉरिशस सरकार की ओर से बिजनेस पार्क्स ऑफ मॉरिशस लिमिटेड (बीपीएमएल) परियोजना को कार्यान्वित कर रही है।

ईबने साईबर सिटी मॉरिशस सरकार की मॉरिशस को साईबर लैंड में बदलने की एक महत्वकांक्षी परियोजना है। यह आईटी समर्थित सेवाओं, कॉल सेन्टरों, बैक ऑफिस प्रचालन कार्यों, व्यवसाय संसाधन आउटसोर्सिंग, सॉफ्टवेयर विकास, बुद्धिपरक विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित शिक्षा के व्यवसाय में लगी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक ही स्थान पर विश्वस्तरीय सुविधा है।

डेटा कॉम आधारभूत सुविधाओं में एसटीपीआई का योगदान

एसटीपीआई के अधिकारियों ने मॉरिशस में विद्यमान डेटा कॉम आधारभूत सुविधाओं का सर्वेक्षण किया। इसमें क्षेत्रों का दौरा और मॉरिशस टेलीकॉम, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, सूचना विज्ञान पार्क, टीएमसी मुक्त बंदरगाह, सॉफ्टवेयर कंपनियों, शैक्षिक संस्थानों, दूरसंचार विनियामक प्राधिकरणों आदि से बातचीत शामिल है।

ईबने साईबर सिटी के लिए डिजायन किया गया संचार नेटवर्क

- ईबने साईबर सिटी के लिए 'संचार नेटवर्क और सेवाओं' के लिए नीति पत्र तैयार करना
- संचार नेटवर्क के डिजायन और नेटवर्क डिजायन दस्तावेज तैयार करना
- नेटवर्क डिजायन के अनुरूप नेटवर्क आधारभूत सुविधाओं को तैयार करना
- एसटीपीआई ने कॅम्यूनिकेशन केबलिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीसीआई) और अभिगम्यता नेटवर्क उपस्कर (एएनई) उपलब्ध कराने के लिए आरईपी तैयार की।
- एसटीपीआई ने सीसीआई और एएनई के लिए निविदाएं आमंत्रित की और बीपीएमएल के परामर्श एवं अनुमोदन से इन निविदाओं का मूल्यांकन किया।
- सीसीआई के सफल निविदाकर्ताओं का अर्थात मैसर्स टेलीकम्न्यूकेशन्स कंसलटेन्ट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड और मैसर्स ब्लांश बर्गर कंपनी लिमिटेड, मारीशस के समवाय से एएनई – मैसर्स जीटीएल लिमिटेड, इंडिया के साथ संविदा करके साईबर सिटी के लिए संचार नेटवर्क के निर्माण की निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई है।

दूरसंचार परियोजना 24 दिसम्बर, 2003 को शुरू की गई थी और दूरसंचार आधारभूत सुविधाओं के कार्यान्वयन को पूरा करने की तिथि अप्रैल, 2004 के अंत तक नियत की गई थी।

ईबने साईबर सिटी में सिविल कार्य – चरण – एक

- साईबर टॉवर एवं उपयोगिता भवन मुख्य आधारभूत कार्य हैं और सभी तलों पर चिनाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।
- साईबर टॉवर एवं उपयोगिता भवन में **विद्युत प्रणालियों, अग्नि सुरक्षा उपाय, बुद्धिपरक भवन प्रबंध प्रणाली (आईबीएमएस), वातानुकूलन एवं यांत्रिक वातायन, लिफ्ट** आदि का 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।
- सड़क, जलापूर्ति नेटवर्क, मल व्ययन नेटवर्क, मल संग्रहण कूप, विद्युत संचालन कार्य, सड़क पर प्रकाश व्यवस्था, जल निकास कार्य और ध्वनि एवं डेटा नेटवर्क मार्ग संबंधी कार्य लगभग पूरे हो चुके हैं।
- अब परियोजना पूरी हो गई है।

भारत और साइप्रस के मध्य सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाना

महानिदेशक, एसटीपीआई ने साइप्रस में 8 जनवरी, 2004 को **'भारत और साइप्रस के मध्य सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाना'** नामक विषय पर एक प्रस्तुतीकरण पेश किया । एसटीपीआई ने साइप्रस सरकार की रूचि के अनुसार साइप्रस में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना के लिए पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन तैयार किया और प्रस्तुत किया गया ।

कोस्ट डी आईबरी में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) ने एक वरिष्ठ अधिकारी को आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत आईबरी कोस्ट सरकार में तीन महीने के लिए प्रतिनियुक्त किया है। आईबरी कोस्ट सरकार जो अपने देश में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के लिए एसटीपीआई मॉडल का अनुकरण करने में रूचि प्रदर्शित कर रही है, को एसटीपीआई एक आदर्श संस्था हो गई है और एक प्रेरणा स्रोत है । एसटीपीआई परियोजना के मानकों का अधययन कर चुकी है और कोस्ट डी आईबरी में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के अंतिम चरण में है ।

एस टीपीआई की नई पहल : जैव सूचना प्रौद्योगिकी पार्क

जैव – सूचना प्रौद्योगिकी पार्क

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी) तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार का आशय भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्कों (एसटीपीआई) के माध्यम से जैव सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रियाकलापों को प्रोत्साहित करके भारत को स्वास्थ्य विज्ञान क्षेत्र के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी प्रतिफलनों (उत्पाद और सेवाओं) हेतु एक वैश्विक केन्द्र के रूप में विकसित करना है । इस उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का विचार एकाधिक जैव सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे । इसके अलावा ये संबंधित क्षेत्रों में निवेश (देशी और विदेशी) भी आकर्षित करेंगे ।

अवसर

जैव सूचना प्रौद्योगिकी उत्पादों व सेवाओं का कुल वैश्विक बाजार 25 बिलियन अमरीकी डॉलर का है और यह प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है । भारत में इसका बाजार 15 मिलियन डॉलर का है जिसे वर्ष 2006 तक बढ़कर 120 मिलियन अमरीकी डॉलर हो जाने की संभावना है । सूचना प्रौद्योगिकी पार्कों पर केन्द्रित ऐसे स्वास्थ्य विज्ञान के विकास तथा सबंधित क्षेत्रों में दक्षताप्राप्त वैज्ञानिक श्रम शक्ति के विकास जैसे रणनीतिक प्रयासों से विश्व बाजार में भारत की अनुमानित भागीदारी को लगभग 0.5 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ाया जा सकता है ।

अवधारणा

पिछले दिनों विश्व में मानव जीनोम परियोजना तथा अनेक अन्य जीवों की जीनोम परियोजनाओं में काफी प्रगति हुई है। वर्तमान में करीब सौ जीवों से सबंधित पूरी जीनोमिक सूचना उपलब्ध है । इनसे जीनोमिक्स, प्रोटेमिक्स और आण्विक जीवन विज्ञान में तीव्र वैज्ञानिक खोजों को बल मिलता है जो चिकित्सीय खोजों, रोग विशेष के लिए दवा की खोज तथा नई औषधियों और उपचार पद्धतियां विकसित करने के आधार पर काम करते हैं । क्रमबद्ध मानव जीनोम ने पहले ही जैविकीय औषधि लक्ष्यों को बढ़ा दिया है जिन्हें लगभग 500 से लेकर 30,000 से अधिक के समूहों में से खोजा जा सकता है । बहुत शीघ्र एक परंपरागत जीवन विज्ञान से जुड़ी कंपनी को अपने अनुसंधाान प्रयासों को विस्तारित करने के लिए 'पेटाबाइट्स' (10^{15} बाइट्स) आंकड़ों तक पहुंच बनाने और उनका विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी । आंकड़ों की बहुलता के अलावा गैर मानकीकृत आंकड़ा प्रपत्रों से जानकारी प्राप्त करने, वैश्विक नेटवर्कों से आंकड़े प्राप्त करने तथा आंकड़ों को सुरक्षित रखने से संबंधित चुनौतियां हैं । ये प्रतिस्पर्धात्मक लाभ उन कंपनियों को मिलता है जो परिवर्तन से प्रतिफलित अवसरों का लाभ उठाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी समाधानों का सबसे अच्छा प्रयोग कर सकते हैं ।

इन चुनौतियों का सामना करने हेतु जीवन विज्ञान कंपनियां इस नये वातावरण में सफल होने के लिए अपनी अनुसंधान पद्धतियों को पुनःपरिभाषित कर रही हैं और अपने सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी मूलभूत सुविधाओं को नए उपकरणों से सुसज्जित कर रही हैं । पारंपरिक त्रुटि एवं सुधार के विधि के स्थान पर परिष्कृत ऑटोमेशन और कंप्यूटर सिमुलेशन पर आधारित अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी पूर्व अनुमान विज्ञान तेजी से अपनी जगह बना रहा है ।

नए उभरते जीवन विज्ञान अन्वेषण मॉड्लों में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला उत्पादकता और 'विपणन हेतु समय' के लिए महत्वपूर्ण हैं । मुख्य मुद्दे निम्नलिखित हैं:

(क) सुरक्षा बनाए रखते हुए वैश्विक संसाधनों संबंधी सूचनाओं की भागीदारी और उनकी एकत्रीकरण

(ख) विविध वैज्ञानिक क्षेत्रों से आंकड़ों की पुनःप्राप्ति और उनको समेकित करना

(ग) नया सॉफ्टवेयर विकसित किए बगैर अथवा सॉल्यूशन के पूर्ण रूपेण पुनर्स्थापना के बिना ही नए आंकड़ा स्रोतों को जोड़ना

(घ) औद्योगिक अनुरूपी प्रयोगशाला गतिविधियों से सतत प्रायोगिक आंकड़ा (दिन में 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन) प्राप्त करना

(ड) आंकड़ा संचय (डेटा बेस बेयरहाउस) का निर्माण और प्रबंध किए बगैर आंकड़ों तक निरंतर तात्कालिक पहुंच संभव बनाना

(च) प्रयासों को संकेन्द्रित करने के लिए ऐसे अनुसंधान दलों के मध्य सहभागिता हेतु नए रास्तों का विकास करना जो अनुसंधान का मिलजुल कर उपयोग करना चाहते हैं।

प्रस्तावित पार्क का उद्देश्य उपर्युक्त प्रमुख मुद्दों का समाधान करना है इससे अपने अधिभोक्ताओं को आवश्यक/वांछित सेवाएं मुहैया कराने हेतु पर्याप्त मूलभूत अवसंरचनाओं और सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा।

प्रस्तावित पार्क में संकेतात्मक सुविधाएं/ आधारभूत सुविधाओं की सूची

यह पार्क अपने अधिभोक्ताओं को निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराएगा -

(क) उच्च अंत्य उपभोक्ता सुपर अभिकलन क्षमता

(ख) सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

(ग) वेट लैब सुविधा

(घ) शिक्षा एवं प्रशिक्षण सुविधा

- कॉरपोरेट प्रशिक्षण
- कार्यकारी विकास कार्यक्रम
- तकनीकी शिक्षा कार्यक्रम

(ड़) व्यवसायिक केन्द्र

- सभागार
- सम्मेलन कक्ष

(च) राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र

- प्रयोगशाला (वास्तविक एवं आभाषिक)
- विश्व भर के जैव सूचना विज्ञान/जीव विज्ञान के उत्तमता केन्द्रों का पारस्परिक संयोजन
- वैश्विक विद्वानों का दल
- आईपीआर सुविधा प्रकोष्ठ
- नेटवर्किंग तथा परामर्श सेवाएं

(छ) सेवा अपार्टमेंट और मनोरंजन सुविधा

पार्क के संभावी अधिभोक्ता दल

- विश्व भेषज कंपनियां - शीर्षस्थ 50 कंपनियां
- औषधि अनुसंधानकर्त्ता कंपनियां
- स्वास्थ्य देखभाल संगठन
- सरकारी अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं
- संविदाकृत अनुसंधान कंपनियां (चिकित्सकीय पूर्व और चिकित्सकीय कंपनियां)
- सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर/साधन कंपनियां
- सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर कंपनियां
- जीनोमिक्स और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियां

एसटीपीआई की नई पहल : जैव सूचना प्रौद्योगिकी पार्क

कार्य क्षेत्र

1. जैव-सूचना प्रौद्योगिकी पार्क परियोजना को घोषित करने के लिए मंत्री स्तरीय प्रेस सम्मेलन का आयोजन करना
2. जैव-सूचना प्रौद्योगिकी पार्क के लिए एक समर्पित वेब साइट का विकास
3. प्रस्तावित पहल का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसार एवं प्रचार
4. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्ध आर्थिक दैनिक समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में विज्ञापन

जैव सूचना प्रौधोगिकी पार्क की स्थापना सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त पहल है और एसटीपीआई इस परियोजना के कार्यन्वियन के लिए नोडल एजेंसी है ।

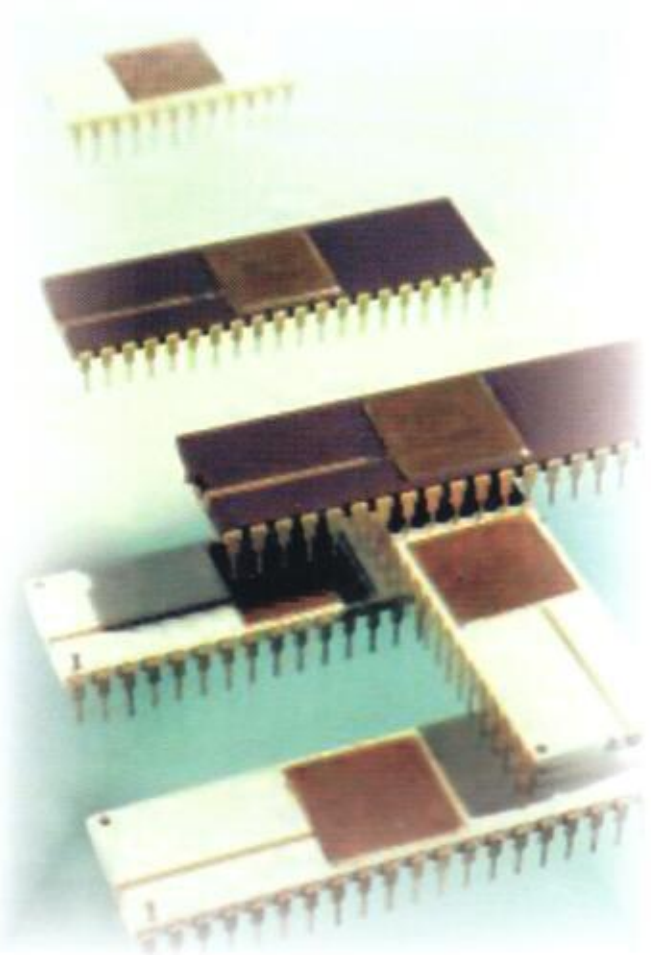

लेखाओं का विवरण

वित्तीय वर्ष 2003-04 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण **अनुबंध-1** में दिया गया है ।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकरों, सदस्य एसटीपी इकाइयों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहायता के लिए उनका कृतज्ञता से आभार मानती है । परिषद एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिए उनका भी आभार मानती है।

(दयानिधि मारन)
अध्यक्ष
अधिशासी परिषद,
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
और
मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार

अनुबंध – 1

वित्तीय वर्ष
2003-04
के लिए वार्षिक लेखाएं

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

दास गुप्ता एवं एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार

608 - 609, रत्न ज्योति बिल्डिंग, 18,
राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली - 110 008
फोन: 51538765 (तीन लाईन), फैक्स: 011 - 25852058
ई - मेल: admin@dasgupta.com

सेवा में

अधिशासी परिषद

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

नई दिल्ली

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क, नई दिल्ली की 31 मार्च, 2004 की स्थिति के अनुसार संलग्न तुलन पत्र तथा उसके क्षेत्राधिकार के अधीन 9 मुख्य केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों के उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अनुलग्नक के रूप में संलगन आय और व्यय लेखा की शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई लेखा परीक्षा की लेखा परीक्षा की है । ये वित्तीय विवरण इस संस्था के प्रबंध का उत्तरदायित्व है । हमारा दायित्व लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करना है ।

हमने अपनी लेखा परीक्षा आम तौर पर भारत में स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है । इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस प्रकार से करें कि इन वित्तीय विवरणों के त्रुटिहीन होने के संबंध में तर्क संगत आश्वासन प्राप्त हो सके। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों की जांच और प्रकाशन शामिल होता है, लेखा परीक्षा में, प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आंकलनों तथा समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन शामिल होता है । हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे विचारों का तर्कसंगत आधार है ।

हमारे अनुसार:

1. इस संस्था ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से वर्ष 2001 - 02 में प्राप्त 1.75 करोड़ रुपये की आवर्ती अनुदान सहायता को प्राप्त होने के आधार पर मान्यता दी है जो कि प्राप्ति आधार पर मान्यता देने की इसकी लेखा संबंधी नीति के अनुरूप नहीं है । ये अनुदान सहायता अभी तक प्राप्त नहीं हुई है और ऋण तथा अग्रिमों को इस सीमा तक अधिक दर्शाया गया है ।

2. नोएडा केंद्र में ऋणों और अग्रिमों में 10.2 करोड़ रुपये के एक प्रस्ताव के लिए 14.10.1998 को हुए समझौते के अनुसार सैटकॉम इंडिया के प्रचालन के हस्तांतरण के कारण विदेश संचार निगम लिमिटेड पर 4.56 करोड़ रुपये बकाया है । विदेश संचार निगम लिमिटेड ने हस्तांतरित परिसंपत्तियों के मूल्य ह्रास और एमयूएक्स उपस्करों की डिलीवरी न होने को ध्यान में रखते हुए इस राशि को भुगतान योग्य न बताते हुए विवादित करार दिया है । हमारे विचार में इस राशि की वसूली संदिग्ध है और इस अवधि के ऋणों और अग्रिमों को अधिक दर्शाया गया है और लाभ को उस सीमा तक अधिक दर्शाया गया है ।

3. एसटीपीआई को विदेशी कैरियर्स को किए गए भुगतानों पर स्रोत से कर की कटौती न किए जाने के संबंध में आयकर विभाग से 1.77 करोड़ रुपये का मांग पत्र प्राप्त हुआ है । इस शाखा ने ऐसे भुगतानो के संबंध में स्रोत पर कर की कटौती न किए जाने के लिए ली गई विधिक सहायता के आधार पर आयकर के भुगतान का प्रावधान नहीं किया है । केन्द्र ने विरोध स्वरूप आयकर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील लंबित रहते हुए मांग के बदले 90 लाख रुपये का भुगतान कर दिया है ।

4. वांछित अनुवर्ती कार्यवाही योजना और अतिदेय बकाया ऋणियों के लिए वसूली विश्लेषण के अभाव में संदिग्ध ऋणों के लिए उपबंधों की पर्याप्त्ता को सत्यापित नहीं किया जा सका । अत: इसके वित्तीय विवरणों पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हों, को अभी निश्चित नहीं किया जा सका है ।

उपर्युक्त पैरा 1 से 4 में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन:

(क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए थे जोकि हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे ।

(ख) लेखा परीक्षकों के मध्य कार्यों के आबंटन में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली द्वारा एसटीपीआई, नई दिल्ली को लिखे पत्र में दिए गए निर्देशों का अनुसरण किया गया है ।

(ग) हमारे द्वारा लेखा परीक्षित बहीखातों से यह पता चलता है कि एसटीपीआई, नई दिल्ली में विधि द्वारा विहित प्ररूप में बहीखातों को समुचित रूप से रखा गया है । शाखा परीक्षकों की रिपोर्ट हमें अग्रेषित की गई और उस पर समुचित कार्यवाही की गई ।

(घ) इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा लेखा बहियों के अनुरूप हैं ।

(ड.) हमारे विचार में और हमारे लिए दिए गए सर्वोत्तम स्पष्टीकरण और सहपठित 'अनुसूची - 15' की लेखांकन नीतियों और 'अनुसूची - 16' की लेखाओं पर दी गई टिप्पणियों सहित उक्त लेखाएं निम्नलिखित के बारे में एक सत्य व निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है ।

(1) जहां तक भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क की 31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र से संबधित मामलों

और

(2) उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखाओं से संबधित मामले ।

कृते **दासगुप्ता एण्ड एसोसिएटस**
शासपत्रित लेखाकार

नरेश गोयल
(भागीदार)
सदस्य सं. : 82069

दिनांक : 6 अक्तूबर, 2004
स्थान : नई दिल्ली।

लेखा परीक्षक

अधिशासी परिषद ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एण्ड एजीआई) की संस्तुतियों के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक तथा शाखा लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की है, लेखा परीक्षकों की सूची नीचे दिए अनुसार है:

केन्द्र का नाम	लेखा परीक्षक	क्षमता
नई दिल्ली मुख्यालय, नोएडा, मोहाली, जयपुर, इंदौर एवं व्यवसाय सहायता केन्द्र (यूएसए कार्यालय) के लेखाओं का समेकन तथा लेखा परीक्षण	मैसर्स दासगुप्त एण्ड एसोसिएट्स 608, रत्न ज्योति बिल्डिंग, 18, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली - 110008	सांविधक
बंगलोर, हैदराबाद एवं चेन्नई	मैसर्स सामथ मूर्ति एण्ड कंपनी 10, पहली मंजिल, एसएसबी, मठ ट्रस्ट बिल्डिंग 11 टेंक बंड रोड पूर्व, पोस्ट बॉक्स नं. : 9754, बंगलोर - 560001	शाखा
भुवनेश्वर एवं गुवाहाटी	मैसर्स त्रिपाठी एण्ड नायक, 278, शहीद नगर, भुवनेश्वर- 751007	शाखा
पुणे, नवी मुम्बई तथा गांधीनगर	मैसर्स पत्की एण्ड सोमन, 639, सदाशिव पैठ, पुणे - 411030	शाखा
तिरूवनंतपुरम	मैसर्स रवि एण्ड सबिन, 29 सुभाष नगर, पेरून्तन्नी, तिरूवनंतपुरम- 695034	शाखा

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र

(राशि रुपए में)

पूंजी निधियां और दायित्व	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
पूंजी निधियां	1	1,107,312,490.00	990,212,490.00
आरक्षित और आधिक्य	2	553,783,963.94	406,611,417.60
आवंटित और दाय निधियां	3	131,057,098.08	82,273,898.00
असुरक्षित और उधारियां	4	120,242,000.00	132,242,000.00
चालू दायित्व और प्रावधान	5	766,714,678.74	722,481,913.75
योग		**2,679,110,230.76**	**2,333,821,719.35**
परिसम्पत्तियां			
स्थिर परिसम्पत्तिया			
सकल खंड	6	2,028,679,322.54	1,901,291,948.12
घटाइए : उक्त तिथि के लिए मूल्यह्रास		1,412,726,418.28	1,190,955,942.09
शुद्ध खंड		615,952,904.26	710,336,006.03
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण / अग्रिम	7	2,056,700,900.51	1,619,290,088.18
विविध व्यय (जो बट्टेखाते में न डाले गए अथवा समायोजित न किए गए)		6,456,425.99	4,195,625.14
योग		**2,679,110,230.76**	**2,333,821,719.35**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 15
आकस्मिक दायित्व एवं लेखाओं पर टिप्पणियां 16

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

नरेश गोयल
(भागीदार)
सदस्य सं० 82069

एस. एन. जिन्दल
(महानिदेशक)

अरविन्द कुमार
(वरिष्ठ निदेशक)

मानस आर. पटनायक
(निदेशक)

ए. के. कपूर
(मुख्य वित्त अधिकारी)

दिनांक : 6 अक्तूबर, 2004
स्थान : नई दिल्ली

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

31 मार्च, 2004 समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 2

आरक्षण एवं आधिक्य

(राशि रुपए में)

	विवरण		चालू वर्ष		गत वर्ष
1. पूंजीगत आरक्षण	विगत लेखा के अनुसार	28,317,766.00		25,016,004.00	
	समीक्षाधीन वर्ष में अतिरिक्त	540,884.00	28,858,650.00	3,301,762.00	28,317,766.00
2. घाटा एवं लाभ खाता	विगत लेखा के अनुसार	378,293,651.60		431,792,016.20	
	समीक्षाधीन वर्ष के लिए आधिक्य/घाटा	146,631,662.34	524,925,313.94	(53,498,364.60)	378,293,651.60
योग			**553,783,963.94**		**406,611,417.60**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

अनुसूची – 3 **31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची**

आवंटित/दाय निधियां

(राशि रुपए में)

निधियों का केन्द्र वार / परियोजना वार विवरण							
विवरण	कानुपर केन्द्र के लिए निधियां	चेन्नई केन्द्र के लिए निधियां	साइबर पार्क परियोजना के लिए निधियां	राज्य सरकार की परियोजनाओं को निधियां	परियोजना संकट वसूली एकक	चालू	गत वर्ष
(क) निधियों का अथशेष	797,955.00	60,000,000.00	19,652,197.00	1,823,746.00	-	82,273,898.00	83,922,871.00
(ख) निधियों के अतिरिक्त							
1. अनुदान एवं दान	-	-	-	-	50,000,000.00	50,000,000.00	-
योग (क+ख)	**797,955.00**	**60,000,000.00**	**19,652,197.00**	**1,823,746.00**	**50,000,000.00**	**132,273,898.00**	**83,922,871.00**
(ग) निधियों के लक्ष्य के लिए उपयोगिता/व्यय							
i) पूंजीगत व्यय							
- स्थिर परिसंपत्तियां	-	-	-	-	-	-	524,057.00
- अन्य	-	-	-	-	-	-	498,650.00
योग	-	-	-	-	-	-	**1,022,707.00**
ii) राजस्व व्यय							
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	269,216.00					269,216.00	341,107.00
- अन्य प्रशासनिक व्यय	296,811.92	-	650,772.00	-	-	947,583.92	285,159.00
योग	**566,027.92**	-	**650,772.00**	-	-	**1,216,799.92**	**626,266.00**
योग (ग)	**566,027.92**	-	**650,772.00**	-	-	**1,216,799.92**	**1,648,973.00**
वर्ष के अंत में सकल शेष (क+ख+ग)	**231,927.08**	**60,000,000.00**	**19,001,425.00**	**1,823,746.00**	**50,000,000.00**	**131,057,098.08**	**82,273,898.00**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 4

असुरक्षित ऋण एवं उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. राज्य सरकार		
(क) तमिलनाडु सरकार	30,000,000.00	30,000,000.00
(ख) केरल सरकार	30,000,000.00	30,000,000.00
2. अन्य संस्थान और एजेन्सियां		
(क) महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम	50,000,000.00	50,000,000.00
(ख) नोएडा प्राधिकरण	---	12,000,000.00
(ग) पंजाब इलेक्ट्रॉनिक निगम	7,000,000.00	7,000,000.00
(ध) चंडीगढ़ प्रशासन से ऋण	3,242,000.00	3,242,000.00
योग	**120,242,000.00**	**132,242,000.00**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 5

चालू दायित्व और प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
(क) चालू दायित्व		
1. फुटकर देनदार		
(क) सेवाओं के लिए	163,801,422.00	194,379,929.51
(ख) अन्य	6,692,323.36	5,893,253.69
2. बकाया दायित्व	60,152,145.83	63,033,400.40
3. परियोजना अग्रिम	242,638,866.29	222,205,545.02
4. अन्य चालू दायित्व	281,476,911.26	224,705,531.13
योग (क)	**754,761,668.74**	**710,217,659.75**
(ख) प्रावधाान		
1. ग्रेचुएटी	1,487,066.00	3,628,975.00
2. संचित छुट्टी नगदीकरण	10,465,944.00	8,635,279.00
योग (ख)	**11,953,010.00**	**12,264,254.00**
योग (क+ख)	**766,714,678.78**	**722,481,913.75**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
स्थिर परिसम्पत्ति अनुसूची

अनुसूची – 6

(राशि रुपए में)

विवरण	सकल खण्ड				मूल्य ह्रास				शुद्ध खंड	
	1.4.2003 की स्थिति	अतिरिक्त	कटौती	31.03.2004 की स्थिति	1.4.2003 की स्थिति	अतिरिक्त	कटौती	31.03.2004 की स्थिति	31.03.2004 की स्थिति	31.03.2003 की स्थिति
(क) स्थिर परिसंपत्तियां										
1.भूमि										
(क) मुक्तधारित	3,227,355.00	-	-	3,227,355.00	-	-	-	-	3,227,355.00	3,227,355.00
(ख) पट्टाधारित	8,218,821.00	16,995.00	-	8,235,816.00	-	-	-	-	8,235,816.00	8,218,821.00
2.भवन										
(क) मुक्तधारित	84,225,966.32	53,124,674.65	-	137,350,640.97	25,027,239.22	10,002,762.80	-	35,030,002.02	102,320,638.95	59,198,727.10
(ख) पट्टाधारित	31,662,372.36	3,720,397.00	3,374.00	35,379,395.36	14,281,976.85	2,615,296.96	243.12	16,897,030.69	18,482,364.67	17,380,395.51
(ग) अन्यथी संरचना	1,083,523.84	-	-	1,083,523.84	1,083,523.84	-	-	1,083,523.84	-	-
3. कंप्यूटर और उपांत उपस्कर	117,529,996.02	12,989,194.61	266,471.78	130,252,718.85	74,604,186.02	14,562,393.75	150,424.70	89,016,155.07	41,236,563.78	42,925,810.00
4. विद्युत उपस्कर एवं प्रतिष्ठापन	112,951,780.66	9,129,633.46	151,310.00	121,930,104.12	61,726,492.79	13,572,279.29	394,298.52	74,904,473.56	47,025,630.56	51,225,287.87
5. फर्नीचर एवं फिक्सर	75,662,490.97	18,374,727.00	646,438.00	93,390,779.97	28,627,487.88	7,175,014.10	19,594.86	35,782,907.12	57,607,872.85	47,035,003.09
6. अग्निशमन उपस्कर	1,743,233.98	39,789.00	-	1,783,022.98	906,166.45	211,510.77	-	1,117,677.22	665,345.76	837,067.53
7. कार्यालय उपस्कर	38,556,599.32	3,704,054.67	179,826.86	42,080,827.13	22,535,222.32	5,052,931.87	140,886.92	27,447,267.27	14,633,559.86	16,021,377.00
8. उच्च गति आंकड़ा संचार उपस्कर	1,363,846,753.48	66,588,650.50	2,601,864.30	1,427,833,539.68	960,385,368.48	168,591,438.25	(331,027.78)	1,129,307,834.51	298,525,705.17	403,461,385.00
9. पारेषण में उच्च गति आंकड़ा संचार उपस्कर	1,398,227.00	66,510.00	1,398,227.00	66,510.00	-	-	-	-	66,510.00	1,398,227.00
10. पारेषण में कंप्यूटर और उपान्त उपस्कर	279,202.00	-	279,202.00	-	-	-	-	-	-	279,202.00
11. वाहन	5,858.00	-	-	5,858.00	3,955.00	612.00	-	4,567.00	1,291.00	1,903.00
12. अन्य स्थिर परिसंपत्तियां	2,561,240.74	133,822.00	-	2,695,062.74	1,774,323.24	360,656.74	-	2,134,979.98	560,082.76	786,917.50
चालू वर्ष का योग	**1,842,953,420.69**	**167,888,447.89**	**5,526,713.94**	**2,005,315,154.64**	**1,190,955,942.09**	**222,144,896.53**	**374,420.34**	**1,412,726,418.28**	**592,588,736.36**	**651,997,478.60**
(ख) विद्यमान पूंजीगत कार्य	58,338,527.43	19,592,230.79	54,566,590.32	23,364,167.90	-	-	-	-	23,364,167.90	58,338,527.43
सकल योग (क+ख)	**1,901,291,948.12**	**187,480,678.68**	**60,093,304.26**	**2,028,679,322.54**	**1,190,955,942.09**	**222,144,896.53**	**374,420.34**	**1,412,726,418.28**	**615,952,904.26**	**710,336,006.03**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 7

चालू परिसंपत्तियां / ऋण / अग्रिम

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष		गत वर्ष	
(क) चालू परिसंपत्तियां				
1. सामान्य आरक्षित भण्डार/एसटीपीआई की पुस्तकें		2,182,515.40		1,627,653.80
2. फुटकर देनदार				
(क) छह महीने से अधिक अवधि के बकाया ऋण	86,273,884.31		76,512,980.76	
(ख) अन्य	130,241,253.30		67,237,029.11	
घटाइए : संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(36,392,588.59)	180,122,549.02	(30,910,025.24)	112,839,984.63
3. उपलब्ध रोकड़		291,195.31		273,009.03
4. अनुसूचित बैंकों में बैंक रोकड़				
- चालू खाते में	162,764.13		184,033.38	
- बचत खाते में	114,476,852.28		63,881,008.36	
- सावधिक जमा एवं मार्जिन मनी खाते में	1,232,885,625.72		1,034,990,816.77	
- ई ई एफ सी खाते में	447,802.00		487,017.00	
- चैक / मांग ड्राफ्ट / पारेषण	98,518,523.00		-	
- उपार्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	30,682,134.54	1,477,173,701.67	28,812,920.81	1,128,355,796.32
5. उपलब्ध स्टाम्प		140,492.30		58,510.60
योग (क)		**1,659,910,453.70**		**1,243,154,954.38**
(ख) ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण				
(क) कर्मचारी	4,273,293.45		5,054,859.70	
(ख) अन्य (ब्यौरा)	271,227.29	4,544,520.74	132,882.75	5,187,742.45
2. नकद अथवा वस्तु के रूप में वसूलने योग्य अग्रिम और अन्य राशियां				
(क) पूंजीगत खाते में	190,781,465.78		138,914,539.32	
(ख) पूर्व अदायगी	29,242,518.30		29,428,351.25	
(ग) जमा	26,916,260.63		7,376,523.88	
(घ) अन्य	122,852,531.05	369,792,775.76	175,545,146.59	351,264,561.04
3. स्रोत पर कर की कटौती		1,585,664.31		153,697.51
4. सुरक्षा जमा / दिए गए अग्रिम		20,867,486.00		19,529,132.80
योग (ख)		**396,790,446.81**		**376,135,133.80**
योग (क+ख)		**2,056,700,900.51**		**1,619,290,088.18**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 8

सेवाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
सॉफ्ट प्वाईंट	240,122,832.00	340,130,387.00
सॉफ्ट लिंक	535,538,817.57	388,372,613.00
सांविधिक प्रभार	234,614,581.00	191,236,873.00
अन्य	140,190,344.96	83,063,711.16
योग	**1,150,466,575.53**	**1,002,803,584.16**

अनुसूची – 9

अनुदान/राज सहायता

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार	---	5,023,263.62
राज्य सरकार	---	---
सरकारी अभिकरण	---	---
संस्थान और कल्याणकारी निकाय	---	---
योग	---	**5,023,263.62**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 10

उद्भूत ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. सावधि जमाएं – अनुसूचित बैंकों में	66,474,269.06	72,371,236.38
2. अन्य जमा खातो में – अनुसूचित बैंकों में	2,389,575.83	2,103,651.35
3. ब्याज पर ऋण	232,940.00	141,457.00
योग	**69,096,784.89**	**74,616,344.73**

अनुसूची – 11

अन्य आय

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
प्रशिक्षण तथा संगोष्ठी से आय	1,041,700.00	601,643.90
प्राप्त विदेशी मुद्रा	2,268,729.31	1,493,974.73
विविध आय	4,047,484.87	9,391,373.01
सेवा प्रभार	569,017.00	562,500.00
वापस लाए गए विविध शेष	10,259,638.56	384,216.34
योग	**18,186,569.74**	**12,433,707.98**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 12

स्थापना व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
वेतन और मजदूरी	62,352,408.00	61,974,487.85
कर्मचारी कल्याण	7,126,575.67	6,657,706.36
भविष्य निधि में कर्मचारियों का योगदान	2,693,849.00	2,787,273.00
टेलीफोन, अखबार आदि के लिए प्रतिपूर्ति	7,140,690.70	5,534,542.10
जीएसएलआईएस में कर्मचारियों का योगदान	225,754.00	230,881.00
कर्मचारी उपांत लाभ	83,592.00	87,860.54
ग्रेचुएटी	1,997,369.00	1,988,973.00
छुट्टी नगदीकरण	1,983,197.00	4,166,636.00
योग	**83,603,435.37**	**83,428,359.85**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 13

अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
विज्ञापन एवं प्रचार	2,366,078.00	3,530,980.75
लेखा परीक्षा शुल्क	353,800.00	362,250.00
बैंक प्रभार	656,989.00	494,748.62
कारोबार/व्यवसाय संवर्धन व्यय	9,337,718.36	8,666,178.95
संचार लागत	12,318,619.33	13,380,262.43
कंप्यूटर प्रचालन व्यय	1,607,377.00	1,063,492.00
उपभोज्य भंडार	4,162,387.53	6,073,025.01
बागवानी एवं अनुरक्षण	1,941,463.25	1,326,536.00
बीमा	4,249,024.00	4,485,652.28
परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	12,002.00	129,603.73
अखबार, पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	540,612.50	630,052.88
अन्य व्यय	8,677,040.04	7,484,639.41
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	3,475,705.83	3,346,036.49
व्यवसायिक प्रभार	11,375,784.70	10,772,599.51
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	5,418,805.35	6,905,774.80
भर्ती व्यय	67,523.00	26,636.00
किराया, दर एवं कर	27,504,967.00	24,279,239.50
मरम्मत और अनुरक्षण	21,747,125.64	21,902,882.03
सुरक्षा भाटक प्रभार	13,356,484.50	12,195,236.50
सेवा प्रभार	44,475.00	3,056,195.00
विविध शेष/स्थगित शेष/बट्टा खाता	1,258,841.70	1,135,592.65
प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी	3,107,037.25	3,824,157.65
यात्रा एवं परिवहन	7,795,877.97	9,321,130.62
वाहन परिचालन एवं भाटक प्रभार	11,453,543.94	11,368,161.21
जल एवं विद्युत प्रभार	32,604,574.45	30,371,534.21
योग	**185,433,857.34**	**186,132,598.23**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची – 14

पूर्व वर्षों के समायोजन

(राशि रुपए में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
पूर्व वर्षों की आय	19,262,617.44	8,176,071.13
पूर्व वर्षों के व्यय	4,486,406.62	9,681.363.95
योग	**14,776,210.82**	**(1,505,292.82)**

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

अनुसूची – 15

31.3.2004 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं का भाग बनने वाली महत्पूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **प्रस्तुतीकरण का आधार**

क. वित्तीय विवरण लेखांकन की संभूति आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपराओं पर आधारित हैं ।

ख. समग्र प्रभाव के मूर्त न होने के कारण उपभोज्य भण्डार सामग्री को व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है, चाहे उनका वर्ष तक उपयोग कर लिया गया हो अथवा उन्हें भंडार में ही रखा गया हो ।

ग. तेजी से होते हुए प्रौद्योगिकी परिवर्तन और अप्रचलन की तेज दर के कारण सॉफ्टवेयर व्ययों को उदभूत वर्ष में ही माना जाता है।

घ. उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिष्ठापित रेडियो मास्ट की लागत को उपभोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और यह ग्राहकों से वसूल की जानी है और तद्नुसार इसे सॉफट प्वाईट /सॉफ्ट लिंक आय में दर्ज किया गया है ।

ङ 5 हजार रुपये से अनधिक पूर्व अवधि की व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष के नाम में सीधा निकाला / डाला जाता है ।

2. **स्थिर परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास**

निर्धारित परिसंपत्तियां, परिसंपत्तियों को उपयोग के लिए इनकी कार्यकारी स्थिति में लाने के लिए सभी प्रत्यक्षत: आरोप्य लागत सहित, अधिग्रहण अथवा निर्माण की लागत पर दर्शाई जाती है । निर्धारित परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास विहित दरों पर प्रत्यक्ष रेखा विधि के आधार पर मुहैया कराया जाता है ।

3. **आय के लिए लेखांकन**

(क) वार्षिक सेवा शुल्क का बिल इकाई के अनुमानित निर्यात कारोबार और वास्तविक कारोबार के उच्च स्तर पर बनाया जाता हैं । एसटीपीआई, स्थान और जेनरेटर, फैक्स, फोटो कॉपी, इत्यादि जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए भी शुल्क लेती है ।

(ख) इकाईयों की डिबॉन्डिंग के समय केन्द्र के पास शेष रह जाने वाली अधिक राशि को वापस नहीं किया जाता है और अन्य आय के रूप में माना जाता है ।

4. **विदेशी मुद्रा कारोबार**

विदेशी मुद्रा कारोबार, कारोबार के दिन प्रभावी विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है । लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित मौजूदा परिसंपत्तियों और दायित्वों का वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य के आधार पर पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति उस वर्ष की आय अथवा व्यय माना जाता है ।

5. **सेवानिवृत्ति लाभ**

मुख्यालय में बीमांकिक मूल्य निर्धारण के आधार पर ग्रेचुएटी का प्रावधान बनाया गया था और इसे आय तथा व्यय लेखा में डाला गया । भविष्य निधि के लिए अंशदान, पारिवारिक पेशन निधियां और छुट्टी नगदीकरण को आय और व्यय लेखा के नामे खाते दर्शाया गया । संचित छुट्टी नगदीकरण की जिम्मेदारी को संबधित केन्द्रों के लेखाओं के नामे खाते दर्शाया गया है ।

6. **अनुदान**

पूंजीगत स्वरूप की अनुदान सहायता को तुलन पत्र में दायित्व के रूप में दर्शाया जाता है जबकि राजस्व स्वरूप की अनुदान सहायता को आय और व्यय लेखा के माध्यम से दर्शाया जाता है । सहायता अनुदान जब और जैसे प्राप्त होता, मान्यता दी जाती है ।

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

अनुसूची – 16

31.3.2004 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लेखाओं का हिस्सा बनने वाली संलग्न टिप्पणी

चालू परिसंपत्तियों, विविध लेनदारो, अग्रिम/जमाएं शीर्ष के तहत विविध देनदारों, ऋणें और अग्रिमों से प्राप्त राशियां पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अध्यधीन हैं। समायोजन, यदि कोई उत्पन्न होते हैं, तो उन्हें संबंधित पक्षकारों के लेखाओं से मिलान करते समय किया जाएगा।

आयकर के बारे में कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि यह संस्था आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12 (क) के अधीन पंजीकृत है और इसकी आय आयकर से मुक्त है।

क. सीमा शुल्क विभाग के पास वर्ष 2003 – 04 के लिए 500,692,209.30 रुपये मूल्य की (गत वर्ष 498,546, 345.81 रुपये मूल्य की) परिसंपत्तियां बंधक हैं।

ख. स्थिर परिसंपत्तियों में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए थे 31.3.2004 के लिए प्रयोग में नहीं आ रहे थे। इन उपस्करों की मूल लागत और बट्टा खाते में उनका मूल्य दिनांक 31.3.2004 को क्रमश: 16.20 करोड़ और 0.11 करोड़ रुपये था।

संस्था के पक्ष में जारी किए गए एल सी और बैंक प्रतिभूति के बदले में 76,787,133.00 रुपये मूल्य की स्थिर परिसंपत्तियां (गत वर्ष रु 86,856,451.00 मूल्य के) बैंक के पास धारणाधिकार में है।

पूंजीगत लेखा से निष्पादित की जाने वाली शेष संविदाओं की अनुमानित राशि, जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है, 13,762,694.12 रुपये (गत वर्ष रु 3,472,979.00) है।

चालू परिसंपत्तियां और चालू दायित्वों मे 26.02 लाख रुपये की व्यय राशि शामिल है जो मई, 2002 को बंद हुए एसटीपीआई व्यवसाय सहायता केन्द्र, संयुक्त राज्य अमेरिका से संबंधित है, परिसंपत्तियों की अंतिम वसूली और दायित्वों के भुगतान से उत्पन्न होने वाले समायोजनों को अंतिम परिसमापन रिपोर्ट प्राप्त होने के समय समायोजित किया जाएगा।

दूरसंचार विभाग ने बेतार आयोजना समन्वय (डब्ल्यू पी सी) के बेतार दूर संचार लाइसेंसों के लिए एसटीपीआई को वित्तीय वर्ष 2003 – 04 के लिए मांग पत्र भेजा है जिसमें 31 मार्च, 2004 तक की मांग और उसमें पूर्ववर्ती वर्षों के 4.40 करोड़ रुपये की मांग शामिल है। दूरसंचार विभाग द्वारा भेजे गए मांग पत्र और प्रस्तुत किए गए प्रयुक्त आंकड़ों के आधार पर इस राशि का भुगतान कर दिया गया है। केन्द्र द्वारा किए गए वास्तविक प्रयोगों के आधार पर तैयार अनुमान के आधार पर इस राशि में से 3.56 करोड़ रुपये की राशि को व्यय खाते में दर्ज किया गया है। दूरसंचार विभाग के साथ इस बारे में लेखाओं का मिलान किया जा रहा है और समायोजन, यदि कोई हों, के लिए लेखाओं के मिलान के पश्चात प्रावधान किए जाएंगे।

8. एसटीपीआई ने श्रीनगर में एक एसटीपी केन्द (एचडीसी सुविधाओं सहित) स्थापित करने के लिए जम्मू और कश्मीर सरकार के उपक्रम: जम्मू और कश्मीर लघु उद्योग विकास निगम के साथ एक समझौता पत्र पर दिनांक 23.7.2000 को हस्ताक्षर किए । जम्मू और कश्मीर लघु उद्योग विकास निगम ने दिनांक 28.1.2002 के अपने पत्र में 1.116 करोड़ रुपये की राशि का दावा किया है जो श्रीनगर में एसटीपी केन्द्र स्थापित करने के संबंध में उदभूत हुआ है, जिसे बाद में संशोधित करके 1.107 करोड़ रुपये कर दिया गया है । तथापि एसटीपीआई ने विभिन्न पूंजीगत और राजस्व व्ययों में इस 1.107 करोड़ रुपये के स्थान पर केवल 93 लाख रुपये ही दर्ज किए हैं । शेष 17.70 लाख रुपये लेखाओं के मिलान के अधीन लंबित हैं ।

9. एसटीपीआई को आयकर अधिकारी (स्रोत पर कर की कटौती) 1, बंगलोर द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 201 (1) और 201 (1 क) के तहत जारी आदेश के जरिए 1.77 करोड़ रुपये का एक मांग पत्र प्राप्त हुआ है, क्योंकि केन्द्र ने अंतरिक्ष क्षेत्र का उपयोग करने के लिए विदेशी वाहकों को जो भुगतान किया था, उस पर स्रोत पर कर की कटौती करने में असमर्थ रहा । शाखा ने आयकर अधिकारी, क्षेत्र- 4, बंगलोर के समक्ष अपील की है । यह अपील दिनांक 28.2.2002 के आदेश के द्वारा खारिज कर दी गई । किन्तु केन्द्र ने आयकर अपील अधिकरण के समक्ष फिर से नई अपील दायर की है जिसकी अभी सुनवाई होनी है । इसके अतिरिक्त केन्द्र का विचार है कि ऐसे भुगतानों में स्रोत पर कर की कटौती करना आवश्यक नहीं है । अत: आयकर मांग के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है । केन्द्र ने विरोध के वावजूद भी इस मांग पत्र की एवज में 90 लाख रुपये की राशि का भुगतान कर दिया है।

10. स्थापना व्यय शीर्ष के अंतर्गत भत्ते और बोनस जिसमें वर्ष 2000 - 01 के लिए तदर्थ प्रोत्साहन के 2,829,242.00 रुपये की राशि शामिल है, अधिशासी परिषद के अनुमोदन के अध्यधीन है । अनुमोदन न होने पर यह राशि कर्मचारियों से वसूली की जाएगी ।

11. एसटीपीआई ने रायपुर, जोधपुर, रॉची, देहरादून, लखनऊ , भिलाई, तिरूपति, मंगलौर, हुबली, जुबली हिल्स हैदराबाद, विजयवाड़ा, तिरूपति और वारंगल में संबंधित राज्य सरकारों अथवा उनके निगमों द्वारा नाम मात्र की पट्टा राशि अथवा किरायामुक्त रूप से उपलब्ध कराई गई भूमि और भवन पर उच्च गति आंकड़ा संचार (एचएसडीसी) सुविधाएं स्थापित की है ।

12. भोसारी इलेक्ट्रॉनिक सदन पुणे और शिमला में भूमि और भवन के संबंध में पट्टा विलेख का अभी निष्पादन किया जाना है ।

13. तमिलनाडु सरकार ने दिनांक 30.4.1999 के सरकारी आदेश संख्या 219 के द्वारा एक भू केन्द्र स्थापित करने के लिए तारामणि, चेन्नई में 1.5 एकड़ भूमि पट्टे पर आवंटित की है । सरकार ने अभी तक पट्टे की अवधि और पट्टा किराया का निर्धारण नहीं किया है।

14. **आकस्मिक दायित्व:**

क. एसटीपीआई - गांधीनगर ने गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी), गांधी नगर के किसी लिखित करार के अभाव में परिशास्ति ब्याज, बिना कब्जे की भूमि के किराए और जल प्रभार को विवादास्पद माना है।

ख. ऋणों के रूप में 2.630.988.65 रुपये (गत वर्ष रु 2,630,988.64) के दावों के अभिस्वीकृति नहीं की गई।

ग. एल/सी और बकाया बैंक प्रत्याभूति के खाते में देयताएं रु 7,380,797.95 (गत वर्ष रु 46,619,726.00) है।

घ. एसटीपीआई, पुणे और इसके उपकेन्द्र के भवन के लिए नगरपालिका करों और ग्राम पंचायत करों के लिए प्रावधान नहीं किए गए हैं। इस संबंध मे देयताओं को अभिनिश्चित नहीं किया जा सकता है क्योंकि केन्द्र को संबधित प्राधिकारियों से कोई कर विपत्र प्राप्त नहीं हुआ है !

6. गत वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों से तुलनीय बनाने के लिए जहां कहीं आवश्यक हुआ है वहां पुन: समूहित और पुन: वर्गीकत किया गया है।

हते

नुसूची 1 से 16 पर हस्ताक्षर

न तिथि के लिए संलग्न हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

हते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
सपत्रित लेखाकार

नरेश गोयल
(भागीदार)
सदस्य सं॰ 82069

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

एस. एन. जिन्दल
(महानिदेशक)

अरविन्द कुमार
(वरिष्ठ निदेशक)

मानस आर. पटनायक
(निदेशक)

ए. के. कपूर
(मुख्य वित्त अधिकारी)

नांक : 6 अक्तूबर, 2004
न : नई दिल्ली

सांविधिक लेखा परीक्षकों के प्रेक्षणों पर एस.टी.पी.आई की टिप्पणियां

लेखा परीक्षकों द्वारा एस.टी.पी.आई. के वर्ष 2003 - 2004 के लेखाओं के प्रेक्षणों पर एस.टी.पी.आई. की मदवार टिप्पणियां

	लेखा परीक्षकों की टिप्पणियां	एसटीपीआई की टिप्पणियां
टिप्पणी सं॰ 1.	इस संस्था ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से वर्ष 2001 - 02 में प्राप्त 1.75 करोड़ रुपये की आवर्ती अनुदान सहायता को प्राप्त होने के आधार पर मान्यता दी है जो कि प्राप्ति आधार पर मान्यता देने की इसकी लेखा संबंधी नीति के अनुरूप नहीं है । ये अनुदान सहायता अभी तक प्राप्त नहीं हुई है और ऋण तथा अग्रिमों को इस सीमा तक अधिक दर्शाया गया है ।	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से 1.75 करोड़ रुपये की राशि की प्रतिपूर्ति करने के लिए अनुरोध किया गया है किन्तु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने यह इंगित किया है कि मामले पर कार्यवाही करने से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित कार्यालय की लेखा परीक्षा रिपोर्ट और उस पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की रिपोर्ट भी अनुरोध पत्र के साथ भेजी जाए । इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि दिनांक 1.6.2002 से संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित कार्यालय बंद कर दिया गया है और मैसर्स भाटिया एण्ड कंपनी, सीपीए, यूएसए को कार्यालय बंद करने से संबंधित विधिक और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए नियुक्त किया गया है । मैसर्स भाटिया एण्ड कंपनी ने परिसमापन हेतु कैलीफोर्निया राज्य मंत्री, संयुक्त राज्य अमेरिका के समक्ष दस्तावेज पेश किए हैं । अंतिम परिसमापन रिपोर्ट की प्रतीक्षा है ।
टिप्पणी सं॰ 2.	नोएडा केंद्र में ऋणों और अग्रिमों में 10.2 करोड़ रुपये के एक प्रस्ताव के लिए 14.10.1998 को हुए समझौते के अनुसार सैटकॉम इंडिया के प्रचालन के हस्तांतरण के कारण विदेश संचार निगम लिमिटेड पर 4.56 करोड़ रुपये बकाया है । विदेश संचार निगम लिमिटेड ने हस्तांतरित परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास और एमयूएक्स उपस्करों की डिलीवरी न होने को ध्यान में रखते हुए इस राशि को भुगतान योग्य न बताते हुए विवादित करार दिया है । हमारे विचार में इस राशि की वसूली संदिग्ध है और इस अवधि के ऋणों और अग्रिमों को अधिक दर्शाया गया है और लाभ को उस सीमा तक अधिक दर्शाया गया है।	बीएसएनएल द्वारा देय बकाया राशि के समयोजन का मामला सरकार के साथ उठाया गया । यह लागत अवमूल्यन, उपस्करों को बट्टा खाते में डालने आदि से संबंधित है और अब विदेश संचार निगम लिमिटेड ने इसकी पुष्टि कर दी है । हाल ही में विदेश संचार निगम लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने कुछ अन्य स्पष्टीकरण मांगे थे जो अब दे दिए गए हैं । विदेश संचार निगम लिमिटेड इस मामले पर शीघ्रता से विचार कर रहा है ।

	लेखा परीक्षकों की टिप्पणियां	एसटीपीआई की टिप्पणियां
टिप्पणी सं॰ 3.	एसटीपीआई को विदेशी कैरियर्स को किए गए भुगतानों पर स्रोत से कर की कटौती न किए जाने के संबंध में आयकर विभाग से 1.77 करोड़ रुपये का मांग पत्र प्राप्त हुआ है। इस शाखा ने ऐसे भुगतानो के संबंध में स्रोत पर कर की कटौती न किए जाने के लिए ली गई विधिक सहायता के आधार पर आयकर के भुगतान का प्रावधान नहीं किया है। केन्द्र ने विरोध स्वरूप आयकर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील लंबित रहते हुए मांग के बदले 90 लाख रुपये का भुगतान कर दिया है।	आयकर देयताओं के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि इस मामले की अपील आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) के समक्ष लंबित है। यह मामला आईटीएटी के समक्ष दिनांक 4.10.2004 को उठा था और आईटीएटी पीठ ने इसकी सुनवाई को स्थगित कर दिया है। निर्णय की प्रतीक्षा है।
टिप्पणी सं॰ 4.	वांछित अनुवर्ती कार्यवाही योजना और अतिदेय बकाया ऋणियों के लिए वसूली विश्लेषण के अभाव में संदिग्ध ऋणों के लिए उपबंधों की पर्याप्तता को सत्यापित नहीं किया जा सका। अतः इसके वित्तीय विवरणों पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हों, को अभी निश्चित नहीं किया जा सका है।	ऋण वसूली के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। एसटीपीआई निदेशकों को ये परामर्श दिया गया है कि स्थायी बकायादारों को यह सेवा बंद कर दी जाए और वसूली हेतु विधिक कार्यवाही शुरू की जाए। अनुवर्ती कार्यवाही के पश्चात आवश्यक समुचित प्रावधान और बकाया ग्राहकों पर राशि की वसूली विश्लेषण किया जाएगा।

एसटीपीआई मुख्यालय

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110 003
टेलीफोन: 243 62811 / 243 63 108 / 243 63 484 फैक्स: 011 243 63 43 6 / 243 643 3 6
वेबसाइट: www.stpi.soft.net

एसटीपीआई केन्द्र

इलाहाबाद
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज
इलाहाबाद - 2110044

औरंगाबाद
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्लॉट टी - 25 एमआईडीसी, चिकल थाना,
गरवार स्टेडियम के सामने औरंगाबाद - 431210
टेलीफोन : 91 - 0240 - 2473859 / 60
फैक्स : 91 - 0240 - 2473859
ई - मेल : sandip@stpp.soft.net

बंगलोर
निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक 3, केएसएसआईडीसी कॉम्पलेक्स,
केओनिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी,
होसूर रोड, बंगलौर - 561229
टेलीफोन : 91 - 80 28526115, 28520959 - 63
फैक्स : 91 - 80 28520958, 28521161
वेबसाइट : www.soft.net

भिलाई
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व)
भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़ - 490 020
टेलीफोन : 91 - 0788 - 5040330 / 330
फैक्स : 91 - 0788 - 5040660
ई - मेल : murgus@stpn.soft.net

भुवनेश्वर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्रियदर्शिनी बाजार, दूसरी मंजिल,
सीआरपीएफ स्कायर, नया पल्ली भुवनेश्वर - 751012
टेलीफोन : 91 - 06742560260 / 269 / 270
फैक्स : 91 - 06742560261
एक्सटेंशन 9106742560261
ई - मेल : panda@stpbh.soft.net
वेबसाइट : www.stpbh.soft.net

चेन्नई
निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
22 / 2 पहली मंजिल, सरदार पटेल रोड, कस्तूरबा नगर
अड्यार चेन्नई - 600 020
टेलीफोन : 91 - 044 - 2442018 / 24420049
फैक्स : 91 - 044 - 24422691
ई - मेल : rrl@stpc.soft.net
वेबसाइट : www.stpc.soft.net

कोयम्बटूर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भूकेन्द्र, के.जी. कैम्पस 365 - 366
थुडियालुर रोड, सरवनम पट्टी, कोयम्बटूर - 641035
टेलीफोन : 91 - 04222667644 / 2668374 / 73

देहरादून
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
विकास भवन, सर्वे चौक, देहरादून
टेलीफोन : 91 - 0135 - 2713401 / 2710618

दुर्गापुर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
शहीद सुकुमार बनर्जी रोड
नेरा रंगन गेस्ट हाउस, विधान नगर, दुर्गापुर - 12
टेलीफोन : 0343 - 2532220, 2221, 38, 23

गांधीनगर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ए / 78 / 72 फ्लैटिड फैक्ट्री शैड, इलेक्ट्रॉनिकी स्टेट
जीआईडीसी, गांधीनगर – 3 82 044
टेलीफोन : 91 - 079 - 23242825 / 3231571
फैक्स : 91 - 079 - 23227207
ई - मेल : ajay@stpg.net
वेबसाइट : www.stpg.soft.net

गंगटोक
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
श्री चो थोक्यो गगोई
पहली मंजिल, सिक्कम ज्वैल्स लि. कॉम्पलेक्स
तादोंग, सिक्कम - 737 102
टेलीफोन : 03592 271193

गुवाहाटी
निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एलजीबीआई एयरपोर्ट के पास, बुर्जहार, असम - 781 015
टेलीफोन : 0361 - 2841269 / 2841374
फैक्स : 0361 - 2841374
वेबसाइट : www.stpghy.soft.net

हुबली
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एचडीएमसी, कामर्शियल काम्पलेक्स
इन्दिरा ग्लास हाउस के सामने
हुबली - 580 029
टेलीफोन : 91 - 0836 - 2257090 / 92 / 93
फैक्स : 91 - 0836 - 2257091

STPI

हैदराबाद
निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
6 क्यू 3, 6 वीं मंजिल, साइबर टावर, हाईटैक सिटी,
मधपुरा, हैदराबाद - 500 033
टेलीफोन : 91 - 04023 100500
फैक्स : 91 - 04023 100501
फैक्स : 91 - 04023 546212 / 4068
ई - मेल : mvkumar@stph.net
वेबसाइट : www.stph.net

इम्फाल
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एनएसटीआरसी कॉम्पलेक्स
त्रीपुरारी, इम्फाल - 795 001
टेलीफोन : 0385 - 2321306

इन्दौर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ओपटेल एसटीपी बिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिकी काम्पलेक्स
परदेशीपुरा - 10, इन्दौर
टेलीफोन : 0731 - 25024440 / 25030880
ई - मेल : ravi@stpn.soft.net

जयपुर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
201 - 202, गौरव टावर, बरदिया शापिंग सेन्टर,
मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
टेलीफोन : 91 - 0141 2770890 - 93
फैक्स : 91 - 0141 2770890
वेबसाइट : www.stpj.soft.net
ई - मेल : ajay@stpj.net

झारखंड
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
रांची औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण
आरआईएडीए भवन, मेन रोड, रांची - 834001
टेलीफोन : 0651 - 2208407, 2316063
फैक्स : 0512 - 2580176

कानपुर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
यूपीएसआईडीसी काम्पलेक्स
1/4, लखनपुर, कानपुर - 208 024
टेलीफोन : 0512 - 2580176
फैक्स : 0512 - 2580176
ई मेल : praveen@stpn.soft.net

खड़गपुर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
डब्लूबीआईडीसी, औद्योगिक विकास केन्द्र
...पुरा, खड़गपुर मिदनापुर, पश्चिम बंगाल
टेलीफोन : 0322 - 234436 / 37 / 38

कोल्हापुर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
...ना प्रौद्योगिक पार्क,
... प्रभात स्टूडियो के सामने, कोल्हापुर

कोलकाता
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक सं डीपी प्लॉट 5/1 साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिकी
कॉम्पलेक्स, सेक्टर 5, कोलकाता - 700 095
टेलीफोन : 91 - 033 - 23673598 / 3799 / 3798
फैक्स : 91 - 033 - 23673597
ई - मेल : krishna@stkol.soft.net

लखनऊ
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एसटीपी कॉम्पलेक्स
गौमती बैराज के पास
लखनऊ
टेलीफोन : 0522 - 2397913
फैक्स : 0522 - 2397930
ई मेल : praveen@stpn.soft.net

मणिपाल
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
टीएमएपाई प्लेनेटेरियम बिल्डिंग
महिला छात्रावास के सामने
मणिपाल - 576 119
टेलीफोन : 91 - 0820 - 2571917, 2571916
फैक्स : 91 - 0820 - 2571917

मंगलौर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
सर्वे संख्या 1291
ब्लूबेरी हिल, डेरेबेल
मंगलौर - 575 008
टेलीफोन : 91 - 0824 - 2212189, 221239
फैक्स : 91 - 0824 - 2216555

मोहाली
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
बी - 99, एल टाप
फेज - 8, औद्योगिक क्षेत्र, एसएएस नगर,
मोहाली, पंजाब - 160059
टेलीफोन : 91 - 0172 - 257061, 256829 (सीधा)
फैक्स : 91 - 0172 - 256498
ई मेल : sanjay@stpm.soft.net
वेबसाइट : www.soft.net

मैसूर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एसजेसी - एसटीईपी कैम्पस, मानस गंगोत्री
मैसूर - 570 006
टेलीफोन : 91 - 0821 - 2412090, 2517780 / 90
फैक्स : 91 - 0821 - 2412080

नासिक
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
आईटी आईआईटी पार्क
अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्र,
अम्बड़, नासिक - 10
टेलीफोन : 0253 - 382835

नवी मुम्बई

निदेशक

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
इटरनेशनल इफोटेक पार्क, टॉवर - 7, मंजिल - 6, वशी रेलवे स्टेशन कॉम्पलेक्स, वशी, नवी मुम्बई - 400705
टेलीफोन : 91 - 022 - 27812102 / 03 / 04
फैक्स : 91 - 022 - 27812034
एक्सटेंशन : 91 - 022 - 27812408 / 2483
ई मेल : pvenugopal@stpmum.soft.net
वेबसाइट : www.sptmum.soft.net

नोएडा

निदेशक

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक - 4, दूसरी मंजिल, गंगा शापिंग काम्पलेक्स
सेक्टर - 29, नोएडा - 201 303
टेलीफोन : 91 - 120 - 2450400, 421
91 - 120 - 2450411 (10 लाइनें)
फैक्स : 91 - 120 - 2450404, 405
ई मेल : sunil@stpn.soft.net
वेबसाइट : www.sptn.soft.net

नागपुर

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक स. - 16, एमआईडीसी कॉम्पलेक्स
सदर लिंक रोड, नागपुर - 441 001
टेलीफोन : 91 - 0712 - 2541145, 2542565, 2234960
ई मेल : nitesh@stpp.soft.net

पाडिचेरी

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भू केन्द्र
पाडिचेरी इंजीनियरिंग लीगी कॉम्पलेक्स,
टेक्नोलोजी बिल्डिंग - 1, पिल्लचावडी, पाडिचेरी - 605 014
टेलीफोन : 91 - 0413 - 656317 / 18
ई मेल : ramkumar@stpc.soft.net

पुणे

निदेशक

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्लॉट स. पी - 1, "इफोटेक पार्क" हिंजावडी, पुणे - 411027
टेलीफोन : 91 - 020 - 2932644 / 45
फैक्स : 91 - 020 - 2932639
एक्सटेंशन : 9520 - 2932644 / 45
ई मेल : sushil@stpp.soft.net
वेबसाइट : www.stpp.soft.net

राउरकेला

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
इंडस्ट्रियल म्यूजियम, सेक्टर - 5, आईजी पार्क के पास
राउरकेला - 769 002
टेलीफोन : 91 - 0661 - 2643295, 2643775
फैक्स : 91 - 0661 - 2643295
ई मेल : surya@stprkl.soft.net
वेबसाइट : www.stprkl.soft.net

शिमला

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
खसरा स. 93/1, कामना देवी मन्दिर के पास
बोइलुगंज, शिमला - 171 002
टेलीफोन : 91 - 0177 - 2832679
फैक्स : 91 - 0177 - 2832680

श्रीनगर

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
शीड स. 6, सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स, रंगरेठ, कश्मीर
टेलीफोन : 0194 - 2300520, 2300381
फैक्स : 0194 - 2300500

तिरुवनंतपुरम

निदेशक

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
5517, जे वी केन्द्र, बेकरी जंक्शन, तिरुवनंतपुरम - 695 034
टेलीफोन : 0471 - 2321224, 2327371
फैक्स : 04712 - 330037
एक्सटेंशन : 91 - 471 - 416003 / 4
ई मेल : ramesh@stpt.soft.net
वेबसाइट : www.stpi.soft.net

तिरुनेवेली

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भू केन्द्र
41 डी, वसंतपुरम, साउथ स्ट्रीट
बाई पास रोड, तिरुनेवेली - 627 005
टेलीफोन : 0462 - 2353292, 2353292
ई मेल : arul@stpc.soft.net

त्रिचि

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भू केन्द्र
त्रिचि क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, विज्ञान और प्रौद्योगिक पार्क, त्रिचि - 620 015
टेलीफोन : 0431 - 2501585 / 86
ई मेल : senthil@stpc.soft.net

तिरुपति

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भू केन्द्र
सर्वे स. 234, महिला प्रांगण के पीछे, त्रिसूर विलेज,
ऑफ तिरुपति अर्बन, त्रिसूर रोड, तिरुपति - 517 501
टेलीफोन : 0877 - 2239262
फैक्स : 0877 - 2237155
वेबसाइट : www.stpc.soft.net

विजयवाड़ा

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
राजकीय पालिटेक्निक कालेज परिसर रिंग रोड,
साईं बाबा मन्दिर के सामने, विजयवाड़ा सिटी - 520 008
टेलीफोन / फैक्स : 0886 - 2494243

वाइजैग

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
वीईपीजेड, एसडीएफ बिल्डिंग, यूनिट स. 9,
दुववाड़ा रेलवे स्टेशन, विशाखपट्टनम - 530 046
टेलीफोन : 0891 - 2587226 फैक्स : 0891 - 2766781

वारंगल

प्रभारी अधिकारी

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
उपग्रह भू केन्द्र
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालोजी,
आईटी थीम केन्द्र, वारंगल - 506 004
टेलीफोन : 0870 - 2446944

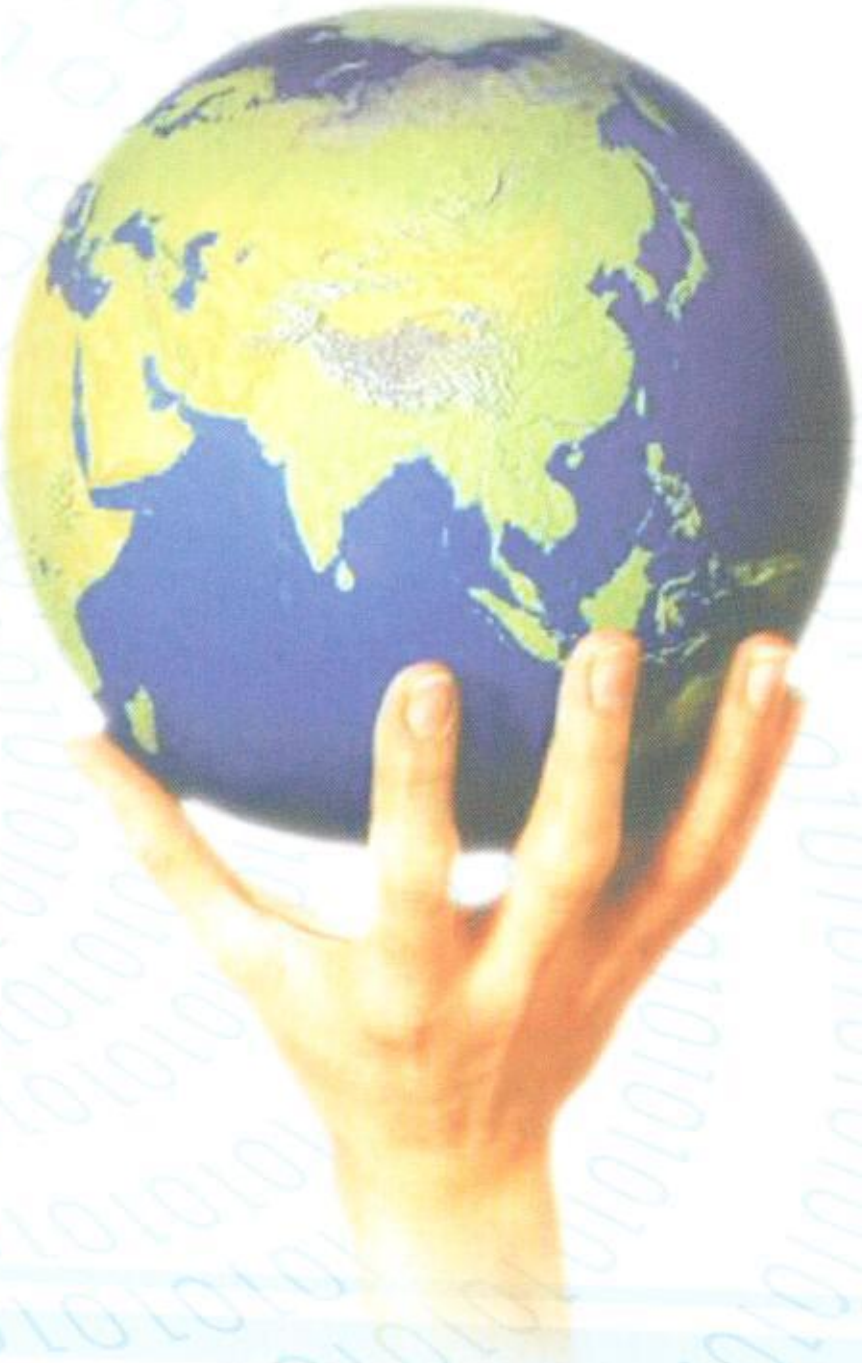

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110 003
टेलीफोन : 243 62811 / 243 63 108 / 243 63 484 फैक्स : 011 – 243 63 43 6 / 243 643 3 6
वेबसाइट : www.stpi.soft.net